धनबाद
सोमवार 11.05.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-78 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-10
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

पेट्रोल-डीजल बचाने, मेट्रो-कारपूलिंग अपनाने और विदेशी मुद्रा बचाने की देशवासियों से पीएम मोदी की अपील

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संकट, वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ती ऊर्जा कीमतों के बीच देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए भारत को विदेशी मुद्रा बचाने और ऊर्जा संसाधनों का समझदारी से उपयोग करने की जरूरत है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय कई बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। कोविड महामारी के बाद शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके कारण खाद्यान्न, ईंधन और उर्वरकों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास तेल और गैस के बड़े भंडार नहीं हैं, इसलिए देश को बड़ी मात्रा में पेट्रोल, डीजल और गैस का आयात करना पड़ता है। ऐसे में ऊर्जा की बचत करना केवल आर्थिक जरूरत नहीं, बल्कि राष्ट्रहित का विषय बन गया है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से कोविड काल के दौरान अपनाई गई व्यवस्थाओं को फिर से प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के समय वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग्स और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाएं तेजी से विकसित हुई थीं और लोगों को उनकी आदत भी हो गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि अगर इन व्यवस्थाओं को दोबारा व्यापक स्तर पर अपनाया जाए, तो इससे ईंधन की खपत कम होगी और देश की विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

उन्होंने सभी से निजी वाहनों का कम उपयोग करने और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो सेवा उपलब्ध है, वहां अधिक से अधिक मेट्रो का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यदि कार से यात्रा जरूरी ▶▶ 8

पीएम मोदी की अपील

- पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल कम करें
- जहां भी हो सके मेट्रो और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें
- जब प्राइवेट गाड़ियां जरूरी हों तो कार-पूलिंग करें
- सामान लाने-ले जाने के लिए रेलवे ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता दें
- जहां भी हो सके इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल बढ़ाएं
- जहां संभव हो वर्क फ्रॉम होम अरेंजमेंट, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल मीटिंग कर ईंधन बचाएं
- गैर-जरूरी विदेश यात्रा, विदेश में छुट्टियां और विदेश में शादियों से बचें
- भारत में ही घरेलू टूरिज्म और सेलिब्रेशन चुनें
- एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचें की रिक्वेस्ट की ताकि फॉरेन एक्सचेंज के बाहर जाने पर दबाव कम हो सके
- मेड-इन-इंडिया और लोकल लेवल पर बने प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें, जिसमें ज्यूट, बैग और एक्सेसरीज जैसी रोजाना इस्तेमाल की चीजें शामिल हैं
- खाने के तेल का इस्तेमाल कम करें, इससे देश की आर्थिक सेहत और पर्सनल सेहत दोनों को फायदा होगा
- किसान केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल ५० परसेंट कम करें नेचुरल खेती के तरीकों को अपनाएं
- मिट्टी की सेहत बनाए रखने और इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करने में मदद करें
- खेती में डीजल पंप के बजाय सोलर पावर से चलने वाले सिंचाई पंप को ज्यादा अपनाने के लिए बढ़ावा दें

तमिलनाडु में नए युग की शुरुआत विजय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

छह दशक पुराना द्रविड़ वर्चस्व ध्वस्त

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक ऐतिहासिक बदलाव देखा गया, जब तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के मुख्यमंत्री बनते ही राज्य की राजनीति में बीते छह दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के दबदबे का अंत हो गया है।

जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में विजय के साथ उनके मंत्रिमंडल के नौ अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। इनमें एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, के.ए. सेंगोट्टैयन, पी. वेंकटरामनन, आर. निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टी.के. प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना शामिल हैं। कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के कई दिग्गज राजनेता और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। स्टेडियम की पहली पंक्ति में विजय के माता-पिता, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ-साथ अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन और उनकी माता के लिए विशेष स्थान आरक्षित था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हजारों समर्थकों की मौजूदगी में यह समारोह संपन्न हुआ।

२३४ सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई। हालांकि, कांग्रेस, सीपीआई और सीपीआई (एम) के समर्थन के साथ टीवीके गठबंधन को कुल १२० विधायकों का साथ मिला। विजय ने शनिवार रात राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर सहयोगी दलों के समर्थन पत्र सौंपे थे। राज्यपाल ने उन्हें १३ मई तक सदन में विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया है। यह शपथ ग्रहण समारोह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव का प्रतीक है। १९६७ के बाद यह पहला मौका है जब ▶▶ 8

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं।

उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। ▶▶ 8

बंगाल में बड़ी साजिश नाकाम

तृणमूल नेता के करीबी के घर मिला हथियारों का जखीरा, 140 कारतूस बरामद

मुर्शिदाबाद (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले स्थित बहरमपुर में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर गिरजापाड़ा इलाके में स्थित असीम सरकार के घर पर छापेमारी की गई, जहां से तीन पिस्तौल, १४० राउंड कारतूस और चार मैगजीन जब्त किए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, असीम सरकार को स्थानीय तृणमूल नेता का करीबी बताया जा रहा है। मामले में तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने घर की मालकिन टुकु सरकार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को आशंका है कि इन हथियारों का इस्तेमाल किसी बड़ी हिंसक वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था। हालांकि, छापेमारी की भनक लगते ही असीम सरकार और संबंधित नेता मौके से फरार होने में सफल रहे। गिरफ्तार महिला को बहरमपुर जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे सात दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। फिलहाल, पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियारों की यह खेप कहां से आई थी और इसके पीछे मुख्य साजिशकर्ता कौन हैं।

हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी

चेन्नई (ईएमएस): विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल ९ मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नननिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना २९ साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न ▶▶ 8

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर (ईएमएस): राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़ावता गांव में हुआ।

जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी।

असम में दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे हिमंता

12 को शपथ ग्रहण समारोह

गुवाहाटी (ईएमएस): असम बीजेपी विधायक दल की बैठक में हिमंता बिस्वा सरमा के नाम पर मुहर लग गई है। सरमा लगातार दूसरी बार राज्य की कमान संभालेंगे। वह १२ मई को सीएम पद की शपथ लेंगे। इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। हिमंता बिस्वा सरमा की यह ताजपोशी के साथ ही असम में बीजेपी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। पिछले कार्यकाल में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अहम विभागों को संभालने वाले सरमा के पास अब पूरे राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की जिम्मेदारी होगी। बता दें ४ मई को आए चुनाव नतीजों में बीजेपी ने राज्य की १२६ में से ८२ सीटों पर बंपर जीत हासिल की थी।

वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए बहुमत के आंकड़े को पार करेगी

पीएम मोदी बेंगलुरु में एक विशाल जनसभा में बोले- साहस और शक्ति हमारी ताकत

बेंगलुरु (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज बेंगलुरु की धरती से भगवा सूरज उग आया है। उन्होंने कहा कि अभी केरलम में भी हम १ से ३ एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए की संख्या तीन से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि एक बीजेपी कार्यकर्ता के तौर पर, मैं समझता हूं कि जब हजारों बीजेपी कार्यकर्ता इतनी सुबह एक साथ आ सकते हैं, तो इसका क्या मतलब होता है। मैं आप सभी का आभारी हूं। बंगाल की जीत आपकी भी जीत है। पीएम मोदी ने कहा कि आज १० मई की ऐतिहासिक तारीख है। १८५७ में आज के ही दिन स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी

फूटी थी। समय के साथ ये चिंगारी एक बड़ी ज्वाला में बदल गई, जिसने गुलामी की बेड़ियों को जलाकर राख कर दिया।

उन्होंने कहा कि साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी भावना से प्रेरित होकर, तीन दिन पहले हमने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई। कल सुबह ११ तारीख को मैं गुजरात के सोमनाथ में रहूंगा, जहां मंदिर के पुनर्निर्माण का उत्सव मनाया जाएगा।

पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैं ऐसे समय में बेंगलुरु आया हूं, जब देश में चुनाव परिणामों पर चर्चा चल रही है। पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार और असम में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना, बंगाल में पहली बार बीजेपी को इतना बड़ा आशीर्वाद मिलना और अभी-अभी २ सप्ताह पहले गुजरात के पंचायत और निकाय चुनाव में इतनी भारी विजय मिली कि गुजरात बीजेपी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। ये चुनाव परिणाम भारत की राजनीतिक दशा-दिशा के लिए अहम हैं। ये भारत के नौजवानों, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग, हर वर्ग ▶▶ 8

सुवेंदु सरकार का आज पहला विस्तार

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन के बाद अब मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, आगामी सोमवार को लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां राज्यपाल आरएन रवि नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। इसी दिन मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी स्पष्ट हो जाएगा। शपथ ग्रहण के साथ ही नई सरकार की पहली अनौपचारिक बैठक सोमवार को ही होने की संभावना है, जबकि कैबिनेट की पहली आधिकारिक बैठक शुक्रवार को राज्य सचिवालय नवान्न में बुलाई जा सकती है।

बंगाल में चला 'दादा' का जादू! भाजपा की ऐतिहासिक जीत में मिथुन चक्रवर्ती की भूमिका अब चर्चा में

पीएम मोदी ने मंच पर की विशेष मुलाकात, वीडियो हुआ वायरल

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद अब अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की भूमिका चर्चा में है, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है 'दादा' यानी मिथुन चक्रवर्ती ने।

मुख्यमंत्री सुवेंदु के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर मिथुन चक्रवर्ती से विशेष मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई लंबी बातचीत ने राजनीतिक गलियारों में यह संदेश दिया कि बंगाल में भाजपा की सफलता में मिथुन चक्रवर्ती की भूमिका को पार्टी शीर्ष नेतृत्व भी अहम मान रहा है।

मंच पर दिखा सम्मान और अपनापन

दरअसल शपथ ग्रहण समारोह में मिथुन चक्रवर्ती जैसे ही मंच पर पहुंचे, वहां मौजूद भाजपा नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से ▶▶ 8

पाकिस्तान की निकलेगी दम, भारत तैयार कर रहा एक विशाल 'ड्रोन फोर्स'

नई दिल्ली (ईएमएस): ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार एक विशाल 'ड्रोन फोर्स' तैयार करने का फैसला कर लिया है। यह नई फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य हमले में 'फर्स्ट रेस्पॉडर' यानी सबसे पहले जवाबी कार्रवाई करने वाली ताकत होगी। रक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक इस फोर्स को डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर सिस्टम का तकनीकी सहयोग मिलेगा, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और सटीक हमले किए जा सके।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार फिलहाल करीब ५० हजार सैन्य कर्मियों को ड्रोन संचालन और आधुनिक युद्ध तकनीकों का प्रशिक्षण मिल रहा है। अगले तीन वर्षों में १५ नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए सैनिकों को रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और प्रिसीजन स्ट्राइक यानी सटीक हमले की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का सुरक्षा कवच मिलेगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा उत्पादन में भी तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल की है। देश का रक्षा उत्पादन १.५४ लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं के लिए थिएटर कमांड की तैयारी हो रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन हमलों से निपटने के लिए अब 'सॉफ्ट किल' तकनीक जैसे जैमिंग और स्पूफिंग के साथ 'हार्ड किल' तकनीक जैसे लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन फोर्स की अवधारणा तब मजबूत हुई जब पाकिस्तान ने करीब १,००० ड्रोन के जरिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरियों को परखने की कोशिश की। इसके बाद सेना ने तय किया कि भविष्य के युद्धों में हर सैनिक के पास अपना ड्रोन होना चाहिए। योजना के तहत सेना की प्रत्येक कोर में लगभग ८,००० ड्रोन शामिल किए जाएंगे, जिससे एक लाख ड्रोन की बड़ी ताकत तैयार होगी।

देश में रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष १२० नए डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं, जिनमें २० कंपनियां ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीकों पर काम कर रही हैं। भारत अब मिसाइलों के अहम सेंसर और इंजन जैसे महत्वपूर्ण उपकरण भी खुद बना रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य के युद्ध 'मल्टी-डोमेन' होंगे, जहां अंतरिक्ष से समुद्र तक एक साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। इसतरह से भारत अब इस तरह के ड्रोन विकसित कर रहा है जो बिना जीपीएस के भी काम कर सकें और जिन्हें जैम करना बेहद मुश्किल हो।

संपादकीय

नतीजों के बाद क्यों जल उठता है बंगाल?

पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान और उसके बाद हिंसक घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। विडंबना यह है कि इस तरह की घटनाओं की निंदा तो सभी दल करते हैं, लेकिन उसे रोकने के लिए कुछ भी ऐसा नहीं किया जाता, ताकि हिंसा के हालात बनें ही नहीं।

गौरतलब है कि राज्य में इस बार विधानसभा के लिए हुए चुनावों के दौरान कोई बड़ी हिंसक घटना सामने नहीं आई, लेकिन नतीजे आने के बाद जैसी खबरें आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा का सहारा लेने वाले असामाजिक तत्त्वों को रोकने के मद्देनजर एहतियातन कुछ भी नहीं किया गया। नतीजतन, बुधवार को राज्य में भाजपा के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक सहित पांच लोगों की हत्या की खबर आई। इसके अलावा, कई लोग घायल भी हुए।

पहले से ही यह इस बात की आशंका लगातार बनी हुई थी कि चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक खींचतान का असर नतीजों के बाद टकराव के तौर पर सामने आ सकता है। मगर ऐसी स्थितियों से निपटने में प्रशासनिक विफलता का ही यह नतीजा है कि राज्य में कई जगहों पर हिंसा और अराजकता के हालात पैदा हुए।

सवाल है कि आखिर किन वजहों से राज्य प्रशासन इस बात का आकलन करने में नाकाम रहा कि चुनावी नतीजों के बाद मुख्य राजनीतिक पक्षों के बीच का तनाव हिंसा में भी फूट सकता है। चुनाव के दौरान बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की वजह से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संभव हो सका, तो क्या ऐसा बाद में भी नहीं हो सकता था?

राज्य के चुनावों में एक समय ऐसे तनाव और टकराव के पक्ष अलग थे, लेकिन वहां की सियासी

तस्वीर में समय के साथ हुए बदलाव के बाद अब वहां के दो प्रतिद्वंद्वी दल मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हैं। करीब पंद्रह वर्ष बाद वहां तृणमूल कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद राज्य में कई जगहों पर सुरक्षा बलों की उपस्थिति के बावजूद हिंसक झड़प और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के कार्यालयों में तोड़फोड़, आगजनी और उनके समर्थकों तथा कार्यकर्ताओं के घरों तक पर हमले की खबरें यह बताती हैं कि राजनीतिक दलों के बीच अपने विरोधियों के प्रति लोकतांत्रिक उदारता दिखाने की औपचारिकता भी खत्म होती जा रही है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हिंसक घटनाओं के दो सौ से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज की गई और करीब साढ़े चार सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। मगर जो काम पुलिस और प्रशासन ने स्थिति बेलगाम हो जाने के बाद किया, अगर पहले ऐसे कदम उठाए जाते, तो शायद कई जगहों पर हिंसा को रोका जा सकता था। यह समझना मुश्किल है कि जो लोग नाहक या फिर प्रतिक्रिया के तौर पर हिंसक गतिविधियों का सहारा लेते हैं, वे आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं। फिर आक्रामकता और अराजकता का सहारा लेकर ऐसे लोग क्या साबित करना चाहते हैं? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति चुनावी नतीजों का विश्लेषण करता है और परिपक्व तरीके से उस पर सभ्य प्रतिक्रिया देता है। अफसोस की बात यह है कि राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष नेतृत्व की ओर से अपने समर्थकों को नियंत्रित रखने और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध या समर्थन जाहिर करने को लेकर शायद ही कभी कोई संदेश जारी किया जाता है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी पूर्वसावधानी के तौर पर ऐसे ठोस कदम नहीं उठाता, जिससे अराजकता को शुरू होने से पहले रोका जा सके।

आखिर आवारा कुत्तों को रोकने की जिम्मेदारी किसकी

पंजाब के होशियारपुर जिले के एक गांव में बुधवार को आवारा कुत्तों के एक बच्ची पर हमले की घटना ने एक बार फिर सभी को झकझोर दिया है। कुत्तों के झुंड ने बच्ची को उस समय नोच कर मार डाला, जब वह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। सवाल है कि अगर इलाके में कुत्ते आक्रामक हो गए थे, तो समय रहते स्थानीय शासन ने क्यों नहीं ध्यान दिया। जबकि जोखिम बन गए कुत्तों को लेकर शीर्ष अदालत की ओर से स्पष्ट आदेश दिए जा चुके हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोगों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। मगर यह दायित्वबोध किसी भी स्तर पर नहीं दिखता। पंजाब में जो हुआ, वह कोई अकेली घटना नहीं है। पहले भी इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं। इन्हीं कारणों से लोगों का आक्रोश भी फूटा और हिंसक कुत्तों को निशाना बनाया गया। होशियारपुर जिले में आवारा कुत्तों का समूह हिंसक हो चुका है, तो उन्हें पकड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? समय रहते उनकी पहचान कर ली जाती और उन्हें आश्रय गृह में भेज दिया जाता, तो मासूम बच्ची की जान नहीं जाती। यह एक विचित्र विडंबना है कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद आवारा कुत्तों पर अंकुश लगाना सरकारी महकमों को जरूरी नहीं लगता है। अदालत में महीनों चली सुनवाई और उस पर आए निर्देशों के बाद भी आम लोगों, खासकर बच्चों की जान जोखिम में है। देश भर में इस मुद्दे पर चिंता जताए जाने और मामले सुर्खियों में आने के बावजूद संबंधित विभागों और अधिकारियों का रवैया अब भी उदासीन दिखता है। रिहाइशी इलाकों से हिंसक कुत्तों को हटाने की कोई कवायद नहीं हो रही, तो इसे अब गंभीरता से लेना होगा। अगर नगर निकाय और जिला प्रशासन निर्देशों की अवहेलना करेंगे, तो आखिर आम लोग कहां जाएंगे। निकायों से पूछा जाना चाहिए कि हिंसक हो गए कुत्तों को पकड़ने तथा उन्हें आश्रय गृहों में रखने की हियायत दी गई थी, तो उसका पालन क्यों नहीं हुआ? आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। नगर निकायों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इस दिशा में अब सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की जरूरत है।

आज का कार्टून

नीतीश कुमार के बेटे बने मंत्री

पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है सोमनाथ की परिक्रमा

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर से श्रीशैलम तक हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। आज की विभाजित दुनिया में सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। यही भावना हमें राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।

नरेन्द्र मोदी

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीने के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंतकाल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है- प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने देरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था।

कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बढ़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी वह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को दिवाली के समय उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, 'इस नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा।' उनके इस आह्वान ने पूरे भारत को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विचार को केएम मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला।

1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ राजेंद्र प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया।

इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर से श्रीशैलम तक हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। आज की विभाजित दुनिया में सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है।

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। यही भावना हमें राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा है।

सत्ता के खातिर: पुराने दोस्त द्रमुक का छोड़ा साथ...

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छुरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी

माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरुआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत का संकेत दे रहा है।

धनबादबोकारो मार्ग चालू करने की मांग पर विधायक राज सिन्हा का अनशन स्थगित

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह थाना मोड़, राजपूत बस्ती के समीप गैस रिसाव एवं भूधंसान की घटना के बाद पिछले लगभग २७ दिनों से धनबादबोकारो मुख्य सड़क को जिला प्रशासन एवं बीसीसीएल द्वारा बंद कर दिया गया है। साथ ही प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास की मांग को लेकर केंदुआपुल, पुटकी, लोयाबाद, छाताटांड़, मटकुरिया एवं बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, थोक वस्त्र विक्रेता संघ तथा क्षेत्र के आमजनों के साथ झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा के नेतृत्व में कोयलांचल बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत, शनिवार से २४ घंटे का अनशन प्रारंभ किया गया था।

अनशन के दौरान धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने विधायक राज सिन्हा से दूरभाष पर वार्ता करते हुए सोमवार को तकनीकी रिपोर्ट एवं खतरे का आकलन कर उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया गया। वहीं बीसीसीएल के महाप्रबंधक जीसी साहा ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर विधायक श्री सिन्हा से वार्ता किया।

इसके उपरांत २४ घंटे पूर्ण होने पर चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने विधायक राज सिन्हा को नारियल पानी पिलाकर अनशन समाप्त कराया।

इस आंदोलन को क्षेत्र के आमलोगों, व्यापारियों, मजदूरों, महिलाओं तथा भाजपा

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। अनशन स्थल पर लगातार लोगों की उपस्थिति बनी रही और सभी ने सड़क को अविलंब चालू करने एवं प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास की मांग को मजबूती से उठाया।

धरना में शामिल स्थानीय लोगों, पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना शुरू होते ही हजारों की संख्या में लोग अनशन स्थल पर डटे रहे। लोग में राज्य की हेमंत सरकार, जिला प्रशासन के खिलाफ काफी आक्रोशित नजर आ रहे थे।

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि यह आंदोलन क्षेत्र की जनता, व्यापारियों और मजदूरों की आवाज है। पिछले २७ दिनों से मुख्य सड़क बंद रहने के कारण आमजन का जीवन प्रभावित हुआ है। हमारी मांग है कि तकनीकी जांच के आधार पर शीघ्र सड़क चालू किया जाए तथा प्रभावित परिवारों का सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। अनिश्चितकालीन धरना के समय भी मैने कहा था और आज पुनः स्पष्ट करता हु कि स्थानीय आमलोगों, व्यापारियों की समस्या समाधान होने तक मेरा आंदोलन जारी रहेगा बल्कि और भी तेज होगा। जब तक जनता को न्याय नहीं मिलेगा, संघर्ष जारी रहेगा। झारखंड की हेमंत सरकार, और इनके पदाधिकारी जनता के कार्यों और हितों के प्रति असंवेदनशील रुख अपनाए हुए है। उनकी मंशा मै कभी पूरी नहीं होने दूंगा। साथ विधायक श्री सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि, उक्त रोड के बनने में सुरक्षा एवं खतरा संबंधित बात है तो वह भी जिला प्रशासन को सार्वजनिक करना चाहिए।

चैंबर के जिला महासचिव अजय नारायण लाल एवं उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि, इस समस्या समाधान की पूरी जिम्मेदारी जेआरडीए की है और जेआरडीए के मुख्य पदाधिकारी धनबाद उपायुक्त ही होते है। चैंबर ऑफ कॉमर्स के सुरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि धनबादबोकारो मुख्य सड़क बंद रहने से व्यापार पूरी तरह प्रभावित हुआ है। व्यापारी वर्ग विधायक राज सिन्हा के आंदोलन के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रशासन को जल्द समाधान निकालना चाहिए ताकि आमजन एवं व्यापारियों को राहत मिल सके।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के सुशील सॉवरिया ने कहा कि यह केवल सड़क का मामला नहीं बल्कि हजारों लोगों की आजीविका और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। हम सभी व्यापारी संगठन जनता की समस्याओं के समाधान तक आंदोलन के समर्थन में रहेंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि राज सिन्हा ने हमेशा जनता की आवाज को प्रमुखता दी है। यह आंदोलन पूरी तरह जनहित में है। प्रशासन एवं बीसीसीएल को संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह एवं तमाल राय ने किया। अनशन कार्यक्रम में सुरेंद्र अरोड़ा, लोकेश अग्रवाल, मुखिया रमेश सिंह, बद्री रविदास,महेंद्र वर्णवाल, ददन सिंह, पंकज भुवानिया, मोनू पाठक, जाहिद अंसारी, हुड्डास दास, जिला मंत्री रीता यादव, मौसम सिंह, सदानंद वर्णवाल, राजेश गुप्ता, रामकेश गुप्ता, मेघनाथ वर्मा, रंजीत मधेशिया, आनंद खंडेलवाल, श्यामल राहा, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, केदार वर्णवाल, रवि सिन्हा, बालमुकुंद राम, सुप्रभात कुमार, घनश्याम नरौली, शशि सिंह, गीता सिंह, किरण सिंह, विभा रानी सिंह, आशा पांडे, सपन कश्यप सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

जागरूकता से ही साइबर अपराध से बचा जा सकता है : न्यायाधीश

धनबाद (कासं) : ९० दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ता सुमन पाठक, शैलेंद्र झा, नीरज गोयल के नेतृत्व में अधिकार मित्र निमाई प्रमाणिक अबुल कलाम, नेहा वर्मा, सीता कुमारी निताई कुंभकार सुबीर कुमार, पूजा झा, सुभाष चंद्र महतो, जयप्रकाश महतो, उत्तम कुमार मंडल, सविता कुमारी, विक्रम मोदी, लक्ष्मी कुमारी, निर्मल मंडल, वीरेंद्र कुमार महतो, संध्या देवी, डिपैती गुप्ता द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आम लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी शेयरिंग, बैंक फ्रॉड तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, एटीएम, ओटीपी अथवा पासवर्ड संबंधी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साथ ही साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर १९३० पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को डिजिटल लेनदेन करते समय सतर्क रहने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा गया कि जागरूकता ही साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।

कोयला व खान मंत्री से मिलीं रागिनी

धनबाद (कासं) : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की। विधायक ने झरिया विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई गंभीर एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

इस दौरान विधायक ने केंदुआ क्षेत्र में हुए भूधंसान एवं गैस रिसाव से प्रभावित लोगों की स्थिति, खनन प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे ग्रामीणों के विस्थापन, कतरास के सोनारडीह क्षेत्र में हुए भूधंसान तथा बंद पड़े धनबादबोकारो मुख्य मार्ग को जल्द दुरुस्त कर पुनः चालू कराने के मुद्दे पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि केंदुआ क्षेत्र में भूधंसान और गैस रिसाव की घटनाओं के कारण स्थानीय लोगों के सामने गंभीर सुरक्षा संकट उत्पन्न हो गया है। कई परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर है।

वहीं धनबादबोकारो मुख्य मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से आम लोगों, स्कूली बच्चों, मरीजों एवं रोजाना आवागमन करने वाले हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक रागिनी सिंह ने मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा भू-धंसान एवं गैस रिसाव से प्रभावित परिवारों के सुरक्षित विस्थापन, समुचित पुनर्वास, वैकल्पिक आवास एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित की जाए। साथ ही धनबादबोकारो मुख्य मार्ग की मरम्मत, भराई एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य कराकर उसे आम जनता के लिए जल्द पुनः चालू किया जाए। इस पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सभी विषयों को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

सत्यनारायण मंदिर में श्लोकों का पठनपाठन

झरिया (ससे) : झरिया के स्टेशन रोड पर स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में संस्कृत पाठशाला का आयोजन किया

गया। जिसमें आगामी पुरुषोत्तम मास को ध्यान में रख कर छात्रों को भगवान विष्णु के श्लोकों का पठनपाठन कराया गया। इसके अलावा संस्कृत में अंताक्षरी, पहाड़ा, संस्कृत संभाषण, वार्तालाप, गीत इत्यादि का अभ्यास कराया गया। संस्कृत की अध्यक्ष सोना रावल, पूर्व अध्यक्ष प्रीति त्रिवेदी, सचिव बानी पंडया, कोषाध्यक्ष मौसमी त्रिवेदी, मयूरी त्रिवेदी, दीपाली त्रिवेदी, जश्मीना जोशी ने प्रसाद वितरण किया। पाठशाला में चेल्सी गोयल, माही कुमारी, प्राची कुमारी, संजना कुमारी, कुमकुम कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, दिव्या कुमारी, वैष्णवी कुमारी, स्वाति कुमारी, परी कुमारी, दिव्या कुमारी, लाडो कुमारी, श्रद्धा कुमारी, सौम्या कुमारी, सोनाली कुमारी, सूरज ठक्कर, रौनक कुमार, युगवीर साव, अनमोल कुमार, शिवांश कुमार, अभि कुमार, प्रथम जोशी, नरेश कुमार, दिव्यांश सिंह, आयुष कुमार, सत्या गुप्ता, आर्यन कुमार, तुराज कुमार इत्यादि छात्र उपस्थित थे।

पढ़ाने का कार्य पाठशाला की वरिष्ठ विद्यार्थिनी हर्षिता गोयल ने किया। जबकि धनबाद गुजराती ब्राह्मण महिला मंडल

एसएनएमएमसीएच के खिलाफ आजसू ने खोला मोर्चा

धनबाद (कासं) : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल धनबाद में व्याप्त अनियमितता के खिलाफ युवा आजसू ने मोर्चा खोल दिया है। एक निजी होटल में आयोजित

पत्रकार वार्ता के दौरान पार्टी नेताओं ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की। नेताओं ने कहा कि ११ सूत्री मांगों पर आगामी १८ मई तक सकारात्मक पहल नहीं किया गया तो आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा। चरणबद्ध आंदोलन के तहत २० को अस्पताल के मुख्य द्वारा पर अधीक्षक का पुतला दहन किया जाएगा। २२ को कैंडल मार्च तथा २५ को अस्पताल परिसर में शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया जाएगा।

श्री महतो ने बताया कि एक ही आउटसोर्सिंग कम्पनी को २०१९ से अब तक टेंडर के बिना लगातार काम दिया जा रहा हैं। साफसफाई का भी टेंडर २०१९ से अब तक लगातार एक ही कम्पनी को दिया जा रहा हैं। फ्रंटलाइन आउटसोर्सिंग कम्पनी ब्लैक लिस्टेड है उसके बावजूद २०१९ से लगातार कम्पनी को काम दिया जा रहा हैं ।

कर्मचारियों का मूल वेतन जो सरकार द्वारा कम्पनी को दिया जाता हैं उसे कम्पनी द्वारा आधा वेतन काट कर दिया जाता हैं।

मासिक वेतन कर्मचारियों को हमेशा विलम्ब से दिया जाता हैं। आयुष्मान के इलाज में मनमानी बंद करने। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की १३१ नियुक्तियों में स्थानीय युवाओं को प्राथिमिकता देना शामिल है। प्रेसवार्ता में युवा आजसू प्रदेश संयोजक हीरालाल महतो, सांसद प्रतिनिधि सौरभ महतो, प्रेम पांडेय, बबलू मंडल, सुनील महतो, सचिन महतो, अधिवक्ता बबलू महतो आदि मौजूद थे।

डालसा कर्मियों व पीएलवी ने किया रक्तदान

धनबाद (कासं) : ९० दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्राधिकार के कर्मचारियों एवं पारालीगल वालंटियर्स ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया तथा स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए समाज को प्रेरित करना था।

इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है।

शिविर के दौरान

स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नियमित रक्तदान के महत्व एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा ९० दिवसीय अभियान के अंतर्गत जिले में लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आम लोगों तक विधिक सेवाओं एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े संदेश पहुंचाए जा सकें।

ओल्ड एज होम में मदर्स डे पर वृद्ध माताओं को किया गया सम्मानित

धनबाद (कासं) : लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम द्वारा संचालित ओल्ड एज होम, सबलपुर में निवास करने वाली सभी सम्मानित वृद्ध माताओं के संग मदर्स डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आश्रम में आश्रय लेने वाली सभी वृद्ध माताओं को सम्मानपूर्वक अंग वस्त्र से सम्मानित करने के बाद केक काट कर वितरित किया गया।

आश्रम में सेवा के लिए पहुंचे लोगों के द्वारा स्नेहपूर्वक सभी के बीच स्वादिष्ट भोजन वितरित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रवि श्रीवास्तव, श्यामल दास, विश्वनाथ सरकार, अमरजीत पासवान, सोनी उपस्थित थे। आश्रम के अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद गद्दी ने अतिथियों का स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापन किया।

गैस एजेंसियों की मनमानी जारी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त के सख्त निर्देशों के बावजूद जिले में गैस एजेंसियों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि कुछ एजेंसियों ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार किया है, लेकिन कई एजेंसियां अब भी नियमों का हवाला देकर उपभोक्ताओं को परेशान कर रही हैं। ताजा मामला शहर के गैस एजेंसियों से जुड़ा है, जहां उपभोक्ताओं का आरोप है कि उन्हें गलत जानकारी देकर लगातार कार्यालय के चक्कर लगवाए जा रहे हैं। कभी बुकिंग को बिना कारण कैंसिल बताया जाता है तो कभी डीएसी कोड के नाम पर भ्रम की स्थिति पैदा की जाती है। गौरतलब है कि डीएसी गैस डिलीवरी के समय सत्यापन के लिए आवश्यक होता है, लेकिन तकनीकी या एजेंसी स्तर की गड़बड़ियों के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विकलांग की 5 एकड़ जमीन को भूमाफियाओं ने बेच दी

जोड़ापोखर (ससे) : झरिया अंचल के जोरापोखर थाना से महज कुछ दूरी पर स्थित शालीमार इलाके में एक विकलांग व्यक्ति की जमीन को भूमाफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर हड़प लिया है। लगभग ५ एकड़ की इस जमीन पर दर्जनों घर, दुकानें और फैक्टरियां बन चुकी हैं, जबकि असली मालिक अपने अधिकार के लिए दरबर भटक रहा है। मामले की जानकारी देते हुए पीड़ित रैयत पहलान महतो के पुत्र गोविन्द महतो ने बताया कि शालीमार स्थित मौजा संख्या १२२ की यह जमीन उनके पिता की है।

क्षेत्र के कुख्यात भूमाफिया नटवरलाल वर्मा और शालीमार के कुछ अन्य लोगों ने मिलकर फर्जी रैयत खड़ा कर पूरी जमीन बेच दी। गोविन्द महतो जब जमीन देखने पहुंचे तो उन्हें यह सब पता चला।

बताते चले की नटवरलाल वर्मा खुद को झरिया अंचल का आमीन बताता फिरता है और दावा करता है कि वह सीआई का खास व्यक्ति है। आरोप है कि वह प्रशासन को जेब में रखकर खुलेआम फर्जी तरीके से जमीन की खरीदफरोख्त कर रहा है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकार विकलांगजनों को पेंशन, भत्ता और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करती हैं, लेकिन यही भूमाफिया एक विकलांग परिवार की जमीन हड़पने में सफल हो गए। गोविन्द महतो विकलांग हैं और न्याय की गुहार लगाते थक चुके हैं।

जमीन को लेकर वर्ष २०११ में बीसीसीएल ने धारा ८७ के तहत मुकदमा दायर किया था। वर्ष २०१६ में यह वाद खारिज हो गया और फैसला रैयत पहलान महतो के पक्ष में आया। इसके बावजूद भूमाफिया नटवरलाल वर्मा और उनके सहयोगी जमीन पर कैंजा बनाए हुए हैं और उस पर निर्माण कार्य जारी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि अंचल कार्यालय केवल टालमटोल कर रहा है। उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। गोविन्द महतो ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और नटवरलाल वर्मा सहित सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की अपील की है। गोविन्द महतो ने प्रशासन और पुलिस से अपील की है कि उनकी जमीन वापस दिलाई जाए और दोषियों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि अन्य लोगों में भी साहस बढ़े और वे अपनी संपत्ति बचाने के लिए आगे आएं।

मेयर संजीव ने पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो से की मुलाकात

धनबाद/बोकारो (कासं) : धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो से बोकारो स्थित बीजीएच

अस्पताल में मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान मेयर संजीव सिंह ने अस्पताल में मौजूद उनके परिजनों से भी भेंट की तथा इंद्रजीत महतो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि इंद्रजीत महतो जल्द स्वस्थ होकर पुनः जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाएं, यही सभी की शुभकामना है। मुलाकात के दौरान आत्मीय माहौल देखने को मिला तथा मेयर ने चिकित्सकों से भी उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की।

भारत ने ठुकरा दिया था रूस का ऑफर : क्या है मिग-31 लड़ाकू विमान की कहानी

नई दिल्ली,(ईएमएस): यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूसी मिग-३१ लड़ाकू विमानों ने कई यूक्रेनी विमानों को मार गिराया है। मिग-३१ के साथ लंबी दूरी की आर-३७एम हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल का इस्तेमाल किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में भारत के पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने लिखा है कि मिग-३१ लड़ाकू विमान करीब बिना किसी विरोध के काम कर पाए हैं क्योंकि यूक्रेन के लड़ाकू विमानों में उनकी बराबरी करने के लिए जरूरी रेंज, गति या ऊंचाई की कमी है। आर-३७एम एक्सजहेड मिसाइल और इसके अलग अलग वेरिंट को टैंकर एयरक्राफ्ट, विमानों को मार गिराने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस मिसाइल ने जंग के मैदान में यूक्रेनी और नाटो के विमानों को काफी दूरी पर रखा है। रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज़ इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर २०२२ में यूक्रेनी वायु सेना पर हर दिन करीब छह आर-३७एम मिसाइलें दागी गई थीं। इसके अलावा रूस ने क्रीमिया में भी चार मिग-३१ विमानों को तैनात किए थे। मिग-३१ के खतरे को खत्म करने के लिए यूक्रेन ने पिछले साल बेलबेक एयरबेस पर ड्रोन हमले किए थे ताकि उन्हें जमीन पर ही खत्म कर दिया जाए।

यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक २६ जनवरी को रूस ने एक साथ ५५ मिसाइलें, २४ ईरानी मूल के शाहेद ड्रोन और एक केएच-४७ खिंजल हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी। यूक्रेन के पास खिंजल मिसाइलों को रोकने का कोई तरीका नहीं है। ये मिसाइलें मिग-३१ से ही दागी गई थी। यह ज्ञात नहीं है कि क्या अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल सिस्टम ऐसी मिसाइलों को रोक सकता है। रिटायर्ड एयर मार्शल अनिल चोपड़ा के मुताबिक मिग-३१ एक सुपरसोनिक इंटरसेप्टर विमान है जिसे सोवियत वायु सेना ने मिकोयान डिजाइन ब्यूरो के जरिए पहले के मिग-२५ की जगह लेने के लिए विकसित किया था। इसे दुनिया के सबसे तेज लड़ाकू जेट विमानों में से एक माना जाता है। रूसी वायुसेना के पास ऐसे १३० विमान हैं और ४०० किलोमीटर पूरब में स्थित निज़नी नोवगोरोड के सोकोल एयरक्राफ्ट प्लांट में उन्होंने रूसी पायलट अलेक्जेंडर जॉर्जेविच कोनोवालोव के साथ मिग-३१बी विमान को उड़ाया था।

उन्होंने लिखा है कि सीधी उड़ान के दौरान विमान ने बहुत तेजी से गति पकड़ी और ऐसा लगा मानो कोई पीछे से जबरदस्त ताकत लगाकर उसे आगे धकेल रहा हो।

रिपोर्ट के मुताबिक चार मिग-३१ इंटरसेप्टर विमानों के एक समूह के बीच डेटा लिंक का इस्तेमाल किया गया है जिससे ९०० किलोमीटर लंबे मोर्चे पर पूरी तरह से दबदबा बनाया जा सकता है। रिटायर्ड एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने बताया है कि उन्होंने इस विमान को उड़ाया है। रूसी वायुसेना के पास ऐसे १३० विमान हैं और ४०० किलोमीटर पूरब में स्थित निज़नी नोवगोरोड के सोकोल एयरक्राफ्ट प्लांट में उन्होंने रूसी पायलट अलेक्जेंडर जॉर्जेविच कोनोवालोव के साथ मिग-३१बी विमान को उड़ाया था।

उन्होंने लिखा है कि सीधी उड़ान के दौरान विमान ने बहुत तेजी से गति पकड़ी और ऐसा लगा मानो कोई पीछे से जबरदस्त ताकत लगाकर उसे आगे धकेल रहा हो।

शपथ ग्रहण के दौरान विजय देने लगे भाषण तो राज्यपाल ने रोका

चेन्नई,(ईएमएस): तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और टीवीके प्रमुख चंद्रशेखर जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि यह शपथ ग्रहण समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया जब विजय निर्धारित प्रक्रिया से हटकर मंच से भाषण देने लगे और राज्यपाल के बीच में हस्तक्षेप करना पड़ा।

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में भारी संख्या में समर्थक मौजूद थे। विजय जैसे ही मंच पर पहुंचे, पूरा स्टेडियम नारों और तालियों से गूंज उठा। उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर का अभिवादन किया और अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों का परिचय भी कराया।

शपथ प्रक्रिया शुरू होने पर राज्यपाल ने तमिल भाषा में शपथ की पहली पंक्ति पढ़ी। इसी दौरान विजय ने अपना नाम बोलने के बाद निर्धारित शपथ पत्र पढ़ने के बजाय जनता को संबोधित करना शुरू कर दिया। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि यह जीत सिर्फ उनकी नहीं बल्कि पूरे तमिलनाडु की जीत है।

समर्थकों की लगातार नारेबाजी और उत्साह के बीच विजय का संबोधन आगे बढ़ने लगा। संवैधानिक प्रक्रिया और समय की मर्यादा को देखते हुए राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें बीच में रोकते हुए याद दिलाया कि पहले शपथ ग्रहण की औपचारिकता पूरी करना आवश्यक है। राज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद विजय ने खुद को संभाला और फिर पूरी गंभीरता के साथ पद और गोपनीयता की शपथ पूरी की।

जो किया दैवीय शक्तियों के प्रभाव में किया : अशोक खरात

नासिक,(ईएमएस): स्वयंभू बाबा अशोक खरात से जुड़ा मामला महज यौन शोषण या आर्थिक धोखाधड़ी तक सीमित ही सीमित नहीं रह गया, बल्कि अब यह महाराष्ट्र के चर्चित और जटिल मामलों में शुमार हो चुका है। बाबा के ऑफिस की ५८ अश्लील वीडियो, करीब १५० पीड़ित महिलाओं, १५०० करोड़ रुपए की कथित संपत्ति, १०० फर्जी बैंक खातों और राजनीतिक संपर्कों के आरोपों के बीच अब इस केस का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कसते शिकंजे के बीच खरात ने अब देवी-देवताओं की दुहाई देनी शुरु कर दी है, उसका कहना है उसने जो किया दैवीय शक्तियों के प्रभाव से किया। बहरहाल इस मामले में सबसे बड़ा सवाल अहम गवाह जितेंद्र शेलके की संदिग्ध मौत को लेकर भी खड़ा हो गया है। फिलहाल केस की जांच नासिक और शिरडी पुलिस के साथ-साथ एसआईटी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहे हैं। अशोक खरात इस समय जेल में है और हाल ही में शिरडी कोर्ट ने उसे १४ दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दैवीय शक्तियों का हवाला

जांच टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान अशोक खरात ने स्वीकार किया कि उससे गलतियां हुई हैं, लेकिन उसने दावा किया कि यह सब दैवीय शक्तियों के प्रभाव में हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खरात लगातार यह कहता रहा कि महिलाओं के साथ उसके संबंध सहमति से बने थे। हालांकि एसआईटी इस दावे से सहमत नहीं है। पुलिस को शक है कि महिलाओं को नशीले पदार्थ या दवाएं देकर उनका शोषण किया जाता था। खरात का कहना है कि वह कई बार समाधि जैसी अवस्था में चला जाता था और बाद में उसे होश आता था। जांच एजेंसियां इन दावों को बचाव की रणनीति मान रही हैं।

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कोपरगांव की एक पतपेढ़ी बैंक में ५६ अनुयायियों के नाम पर करीब १०० खाते खोले गए थे। इन खातों में लगभग ७० करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। सबसे अहम बात यह है कि सभी खातों में नॉमिनी के तौर पर अशोक खरात का नाम व मोबाइल नंबर दर्ज था। जब खाताधारकों से पूछताछ की गई तो कई लोगों ने दावा किया कि उन्हें अपने नाम पर खाते खुलने की जानकारी तक नहीं थी।

मामले की शुरुआत तब हुई जब अशोक खरात ने खुद ब्लैकमेलिंग की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान उसके पूर्व ऑफिस असिस्टेंट नीरज जाधव का नाम सामने आया। नीरज ने एसआईटी को बताया कि वह अपनी गर्भवती पत्नी को खरात के पास लेकर गया था, जहां धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर उसकी पत्नी से छेड़छाड़ की गई। इसके बाद उसने दोस्त की मदद से खरात के ऑफिस में हिडन कैमरा लगाया, जिससे कई वीडियो सामने आए।

एसआईटी अब खरात के कथित राजनीतिक संबंधों की भी जांच कर रही है। कुछ नेताओं और पूर्व मंत्रियों से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। हालांकि जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उन्होंने किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। इस पूरे मामले ने अंधविश्वास, सत्ता और अपराध के गठजोड़ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं खरात के घर और सिन्नर स्थित मंदिर परिसर में अब पूरी तरह सन्नाटा पसरा हुआ है।

एम्स दिल्ली से डॉक्टरों का पलायन बढ़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस) : देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम्स दिल्ली में डॉक्टरों के संस्थान छोड़ने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हाल ही में सामने आई रिपोर्टों ने एम्स प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई डॉक्टरों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल का कार्य वातावरण पहले जैसा नहीं रहा और प्रशासनिक स्तर पर लगातार अनदेखी तथा दबाव की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में मरीजों की भर्ती, ट्रांसफर और डिस्चार्ज प्रक्रिया में अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। इनका असर सरीजों की देखभाल और विभागीय कामकाज पर पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि कार्डियक सर्जन डॉ. ए.के. बिसोई ने इन मुद्दों को प्रशासन के सामने उठाया था।

इसी दौरान एक नर्स की शिकायत के आधार पर डॉ. बिसोई के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू की गई थी। हालांकि अक्टूबर २०२५ में आंतरिक शिकायत समिति ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। मामले के बाद एम्स की प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल और गहरे हो गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

फर्जी निर्यात और राउंड-ट्रिपिंग के गलत एक्सपोर्ट से प्राप्त राशि वैध बैंकिंग से की

नई दिल्ली,(ईएमएस): पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के ईडी की जांच और लगाए गए आरोपों पर पहली बार अपना पक्ष रखा। कंपनी ने एक आधिकारिक प्रेस बयान जारी कर कहा कि उसे देश की न्यायपालिका और कानूनी प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और वह जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी ने अपने बयान में मोबाइल एक्सपोर्ट कारोबार को लेकर कई अहम दावे किए हैं।

हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के मुताबिक उसने मई २०२३ में मोबाइल फोन एक्सपोर्ट बिजनेस की शुरुआत की थी। कंपनी ने कहा कि भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल और पीएलआई योजना के तहत मोबाइल निर्माण और निर्यात को बढ़ावा मिला, जिसके चलते उसने इस सेक्टर में कदम रखा। कंपनी ने यह भी कहा कि संयुक्त अरब अमीरात भारतीय मोबाइल एक्सपोर्ट के लिए एक बड़ा और अहम बाजार है। कंपनी का दावा है कि उसने कुल ४४,४७१ असली मोबाइल फोन और एक्सेसरीज का एक्सपोर्ट किया। इनमें एप्पल आईफोन, एयरपॉड्स, सैमसंग और वनप्लस जैसे बड़े ब्रांड्स के डिवाइस शामिल थे। कंपनी के मुताबिक सभी शिपमेंट को कस्टम क्लीयरेंस और ओईएम वेरिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था।

अपने दावों को मजबूत करते हुए कंपनी ने आईएमईआई सत्यापन का भी हवाला दिया। बयान में कहा गया है कि हर मोबाइल फोन का यूनिक आईएमईआई नंबर सत्यापित किया गया था। कंपनी के मुताबिक एप्पल और सैमसंग जैसी कंपनियों ने एक्सपोर्टेड डिवाइस के असली आईएमईआई नंबर माना। इतना ही नहीं, कंपनी ने दावा किया कि ये सभी फोन विदेश पहुंचने के बाद एक्टिवेट भी हुए। हैम्पटन स्काई रियल्टी ने अपने ऊपर लगे फर्जी निर्यात और राउंड-ट्रिपिंग जैसे आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कंपनी ने कहा कि एक्सपोर्ट से प्राप्त पूरी राशि वैध बैंकिंग के जरिए जरिए आई थी। साथ ही आपूर्तिकर्ताओं को किए गए सभी भुगतान भी बैंकिंग के जरिए ही किए गए हैं।

जीएसटी फ्रॉड मामले को लेकर कंपनी ने खुद को पीड़ित बताया। बयान में कहा गया है कि कुछ सप्लायर्स पर जीएसटी फ्रॉड के आरोप हैं, लेकिन यह सप्लायर साइड इस्यू था। कंपनी ने दावा किया कि उसने खुद इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई थी।

वैश्विक तनाव और होर्मुज संकटः भारत की ऊर्जा-रक्षा आत्मनिर्भरता पर जोर

नई दिल्ली,(ईएमएस): रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और अमेरिका-चीन की सामरिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक सप्लाई चेन की तस्वीर बदल दी है। कभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार को गति देने वाले ये नेटवर्क अब रणनीतिक दबाव और भू-राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल हो रहे हैं। इसके बाद माहौल में, होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

दरअसल भारत अपनी तेल और गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसका अधिकांश मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरता है। ईरान द्वारा क्षेत्र में दबाव और अमेरिका की नाकाबंदी जैसी संभावित परिस्थितियां वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ा रही हैं, जिससे भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर जोखिम बढ़ गया है। यह संकट भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने का स्पष्ट संकेत है।

मामले से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, इससे लंबे समय से रणनीतिक कमजोरी माना जाता रहा है। आपूर्ति बाधित होने पर राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। लेकिन इस चुनौती के जवाब में, केंद्र सरकार डिफेंस एक्विजिशन प्रोसीजर २०२० और प्रस्तावित डीएपी २०२६ जैसी नीतियों के जरिए घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। निवेश नियमों में ढील और निजी क्षेत्र के प्रोत्साहन से देश में रक्षा उत्पादन और हथियार निर्यात दोनों में वृद्धि हुई है।

रक्षा विनिर्माण के विस्तार से एमएसएमई सेक्टर को बड़ा लाभ मिल रहा है, जिससे रोजगार के नए मौके और तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन मिल रहा है। उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में विकसित हो रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डिजाइन, उत्पादन और आपूर्ति में तालमेल बिठाकर बदलाव के केंद्र बन रहे हैं। यह आत्मनिर्भरता एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञता, नीतिगत सुधार और अनुसंधान निवेश के बीच संतुलन आवश्यक होगा। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, भारत के लिए यह दिशा आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एक मजबूत घरेलू रक्षा और ऊर्जा ढांचा न केवल विदेशी निर्भरता कम करेगा, बल्कि भारत को रणनीतिक स्वतंत्रता और दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्रदान करेगा।

चंद्रनाथ हत्याकांडः डिजिटल सबूत ने बढ़ाई हत्यारों की मुश्किल

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के उत्तर २४ परगना जिले में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की हत्या की गुत्थी सुलझाने में विशेष जांच दल (एसआईटी) को एक बड़ा सुराग मिला है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि वारदात के बाद फरार होते समय अपराधियों ने बाली टोल ब्रिज पार किया था और वहां टोल टैक्स का भुगतान यूपीआई के जरिए किया गया था। अब पुलिस इस डिजिटल ट्रांजैक्शन की कड़ियों को जोड़कर हत्यारों के बैंक विवरण और पहचान तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने अब तक तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। हालांकि, घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य हमलावर पुलिस की पहुंच से बाहर हैं। गुरुवार रात माध्यमग्राम में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच अधिकारियों को अंदेशा है कि इस वारदात को अंजाम देने के लिए उत्तर प्रदेश या बिहार से पेशेवर शार्प शूटर बुलाए गए थे, जिसके चलते पुलिस की दो विशेष टीमें इन राज्यों के लिए रवाना कर दी गई हैं। जांच में सबसे बड़ी बाधा अपराधियों के भागने वाले रूट पर लगे खराब सीसीटीवी कैमरे बन रहे हैं। दोहारिया-माठापाड़ा इलाके के कई कैमरे लंबे समय से बंद हैं, जिसका फायदा उठाकर अपराधी अंधेरे में फरार होने में सफल रहे। पुलिस सूत्रों का मानना है कि हमलावरों के पास चंद्रनाथ रथ की सटीक लोकेशन थी और उन्हें पता था कि वह कार में किस तरफ बैठे हैं। पुलिस ने इलाके से मिले अन्य फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध वाहन की पहचान भी की है, जो वारदात के समय मृतक की कार का पीछा कर रहा था।

नवनिर्मित भवन को लेकर भूमि पूजन व शिलान्यास संपन्न

बोकारो (सत्रे): बोकारो जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्मित भवन निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायमूर्ति आनंदा सेन, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची द्वारा विधिवत भूमि पूजन एवं शिलान्यास कर किया गया।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, बोकारो,न्यायिक पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि बार एसोसिएशन का नवनिर्मित भवन न्यायिक कार्यों के सुचारु संचालन के साथ-साथ अधिवक्ताओं की सुविधाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ताओं एवं न्यायपालिका के मध्य समन्वय न्याय व्यवस्था की मजबूती का आधार है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया भवन अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराएगा तथा न्यायिक कार्यों के निष्पादन में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के दौरान मंच से माननीय न्यायमूर्ति ने जिला प्रशासन की ओर से सीएसआर मद से बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर में विभिन्न विकास योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किए जाने की जानकारी दी।

स्वीकृत योजनाओं में बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, प्रथम चरण में ३० केवीए क्षमता वाले सोलर पावर प्लेट का अधिष्ठापन तथा ई-पुस्तकालय का संचालन शामिल है।

न्यायमूर्ति आनंदा सेन द्वारा कैंप टू में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय आवास का भी शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने बार एसोसिएशन को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं तथा भवन निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की कामना की। भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इससे पूर्व, बोकारो पहुंचने पर न्यायमूर्ति झारखंड उच्च न्यायालय सह प्रशासनिक न्यायाधीश, बोकारो आनंदा सेन का बोकारो परिसदन में पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आप विधायक पर युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

चंडीगढ़,(ईएमएस): लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सम्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर २ साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे १३ हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए ५-६ हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे ऊपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब २०२२ में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी है। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सम्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी २ नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी मनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल २ महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज़ दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ापाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ❖ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

प्रधानमंत्री पहुंचे आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में

धनबाद/दिल्ली (कासं) : आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब भारत क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के साथ आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के ४५ वर्ष पूर्ण होने और इसके संस्थापक के ७०वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में सहभागिता की।

प्रधानमंत्री ने भव्य ध्यान मंदिर का उद्घाटन भी किया, यह एक अद्वितीय उच्च ऊर्जा वाला ध्यान स्थल है, जो विश्व के सबसे बड़े ध्यान समुदायों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। यह समर्पित केंद्र विभिन्न देशों, संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों से आने वाले लाखों साधकों को सामूहिक ध्यान और मंत्रोच्चारण के माध्यम से गहन आंतरिक शांति का अनुभव कराएगा।

नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उल्लेख करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि उद्घाटित यह ध्यान मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए हजारों लोगों को शांति और सुकून प्रदान करने का केंद्र बनेगा।

अपने मुख्य संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुदेव का अभिनंदन करते हुए उन्हें भारत की 'देने' की सनातन परंपरा के अनुसार ज्ञान, शांति व आशा देने की जीवंत अभिव्यक्ति बताया। गुरुदेव के साथ एक आत्मीय क्षण साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपका ही हूँ और जहाँ हूँ, वहाँ भी आपकी वजह से ही हूँ, जिस पर उपस्थित जनसमूह ने जोरदार उत्साह व्यक्त किया।

राष्ट्र निर्माण में अध्यात्म और मानसिक स्वास्थ्य की भूमिका पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत का निर्माण ऐसे युवाओं द्वारा होगा जो मानसिक रूप से शांत, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और समाज के प्रति संवेदनशील हों। इस यात्रा में आध्यात्मिक कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, योग और ध्यान की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। आर्ट ऑफ लिविंग जैसे संगठन लोगों में जुड़ाव, अपनापन और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। वे लोगों को अपनी संस्कृति को जानने और समझने का अवसर भी देते हैं।

राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी के महत्व पर उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि समाज, राजनीति और सरकारों से अधिक शक्तिशाली है। कोई भी सरकार तभी सफल हो सकती है जब समाज राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग ले।

संगठन के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि आर्ट ऑफ लिविंग संगठन हमेशा समाज की शक्ति को समर्थन देता है। भारत की तीव्र प्रगति और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारी डिजिटल क्रांति ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक नेता बना दिया है। स्टार्टअप्स के मामले में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन चुका है। हमारे युवा अब अपने उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रहे हैं। इन उपलब्धियों का सबसे बड़ा कारण हमारे युवा और आर्ट ऑफ लिविंग हैं। आर्ट ऑफ लिविंग युवाओं को आधुनिक युग की चुनौतियों से उबरने में सहायता कर रहा है।

प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने हाल के वर्षों में भारत में आए परिवर्तन और राष्ट्र में उत्पन्न हुए आत्मविश्वास की भावना पर अपने विचार साझा किए।

गुरुदेव ने कहा, आपने देश और विदेश में शांति स्थापित करने की दिशा में कदम उठाए हैं। आज भारत माता और भारतवासी गर्व के साथ आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि आपने भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया है। राष्ट्रीय परिवर्तन और जनभागीदारी का उल्लेख करते हुए गुरुदेव ने कहा, जैसे ही आप आए, आपने 'स्वच्छ भारत' का आह्वान किया। आज देश अधिक स्वच्छ, अधिक सुंदर, अधिक सुरक्षित और नए आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करता है। भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर गुरुदेव ने कहा, पहले विदेशों में लोग कहते थे कि भारत कभी इस तरह आगे नहीं बढ़ सकता। आपने उन सभी को गलत साबित कर दिया।

श्री श्री रविशंकर के जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय

धनबाद (कासं) : धनबाद शहर के दी आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवकों एवं साधकों के लिए आयोजित लॉन्ग सुदर्शन क्रिया प्रातः से राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, बैंक मोड़, धनबाद में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। द आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े ६० से अधिक साधकों एवं भक्तों ने इस विशेष प्रातः कालीन साधना में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक मयंक सिंह द्वारा किया गया। इसके पश्चात गुरु पूजा, वैदिक मंत्रोच्चार एवं भक्ति प्रस्तुति आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षकों एवं गुरु पुंडितों द्वारा की गई, जिनमें प्रमुख रूप से सोनाली सिंह, अनुप्रिया गुप्ता, मयंक सिंह, पंकज सिंह, स्वाति राजेश टंडन, कुंदन कुमार, अनामिका गोयल, ऋत्विक दुदानी एवं मणि शंकर आदि मौजूद थे। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के ७०वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सेवा एवं उत्सव कार्यक्रम आगामी १३ मई को भी आयोजित किए जाएंगे।

मिशन एयरपोर्ट ने मातृ सम्मान किया आयोजित

धनबाद (कासं) : मातृ दिवस के पावन अवसर पर मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह ने अपने नया बाजार स्थित कार्यालय में मातृ सम्मान समारोह व बैठक का आयोजन किया। सबसे पहले सोनिया जैन ने उपस्थित माताओं का अभिनंदन किया और उन्हें गिफ्ट देकर सम्मानित किया।

बैठक की अध्यक्षता फिरदौस मैडम ने की। संचालन दीक्षा जैन ने किया व धन्यवाद ज्ञापन सोनिया जैन ने की। बीसीसीएल से रिटायर और कोल ऑफिसर एसोसिएशन के भवानी बंधोपाध्याय ने कहा कि मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह की मांग एकदम सही है और इसके लिए लगातार प्रयास किया जाएगा। सभी से निवेदन किया गया कि यह मांग तब तक लगातार होती रहनी चाहिए जब तक एयरपोर्ट नहीं मिलता है।

सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि धनबाद की देव तुल्य जनता के सहयोग से जो भी जन प्रतिनिधि, सरकारी अफसर, मंत्री धनबाद आयेंगे। उन्हें मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह लगातार ज्ञापन देता रहेगा और धनबाद के हक की बात करेगा। इस मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए लगातार पत्राचार किया जाएगा। मौके पर अनिल कुमार जैन, फिरदौस मैडम, रूमी परवीन, रेखा देवी, सिंपल देवी, सोनिया जैन, दीक्षा, भवानी बंधोपाध्याय, अशोक चौधरी आदि मौजूद थे।

हाई मास्क लाइट का उद्घाटन

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो के बड़े भाई जयदेव महतो ने निपनिया में हाई मास्क लाइट का उद्घाटन किया। चड़क पूजा मेला भी शुरू हो गया। हाई मास्क लाइट लगने से पूजा स्थल एवं आसपास के क्षेत्र में रोशनीमय हो गया। मौके पर काशी नाथ मंडल, जनार्दन महतो आदि मौजूद थे।

किडजी प्री प्ले स्कूल में मनाया गया मदर्स डे

धनबाद (कासं) : बैंक मोड़ छठ तालाब स्थित किडजी प्री प्ले स्कूल में मदर्स डे के अवसर पर भावनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस खास मौके पर स्कूल की संचालिका, शिक्षिकाओं, कर्मियों, नन्हेमुन्ने बच्चों एवं उनकी माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा अपनी माताओं के चरण धोकर आशीर्वाद लेने के साथ हुई, जिसने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया। इसके बाद बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से मां और बच्चे के अटूट प्रेम, ममता एवं सम्मान को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। नन्हे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया। इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिकाओं ने कहा कि किडजी केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के संस्कार, मानसिक विकास और रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त माध्यम है। यहांह प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा बच्चों को खेलखेल में उनकी समझ के अनुसार शिक्षा दी जाती है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है।

मंदिर छत ढलाई में सैकड़ों लोगों ने किया श्रमदान

बलियापुर (ससे) : सिंदूरपुर कोठा बुढ़ा मंदिर छत ढलाई निर्माण कार्य में सैकड़ों लोगों ने श्रमदान किया। पांडेयडीह, चौकटांड़, प्रधानखंता, बलियापुर, सीधाटांड़ समेत दर्जनों गांवों के लोगों ने श्रमदान किया। मौके पर भाजपा नेत्री तारा देवी, प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मजीत सिंह, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, समाजसेवी गिरधारी लाल अग्रवाल, सुनील गोयल, अधिवक्ता राहुल कुमार महतो, मुखिया दिलीप कुमार महतो, पूर्व मुखिया समीर कुमार मुर्मू, मुखिया मलिंदर हांसदा, दिवाकर महतो, राघव तिवारी, आशीष मुखर्जी,

राधेश्याम रजक के अलावे मंदिर निर्माण कमेटी के अध्यक्ष मानिक सहाना, विधायक प्रतिनिधि देवाशीष पांडेय, चरण रजक, बबन रजक, अशोक मुखर्जी, अल्पना मुखर्जी, विनय मुखर्जी, रोहन रजवार, सुरेश रजक आदि का सराहनीय योगदान रहा।

वाटर टैंकर के अवैध संचालन से विधायक रागिनी पहुंचीं थाना

झरिया (ससे) : झरिया विधानसभा क्षेत्र में विधायक मद से निर्गत वाटर टैंकर के कथित

अवैध संचालन को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने सड़क पर चलते वक्त एक ऐसे वाटर टैंकर को पकड़ा, जिसे नगर निगम द्वारा पूर्व में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह के कार्यकाल में निर्गत किया गया था। आरोप है कि उक्त टैंकर को पूर्व विधायक प्रतिनिधि और उनके सहयोगियों द्वारा छुपाकर अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। विधायक रागिनी सिंह के अनुसार, टैंकर को पकड़ने के बाद उसे जल्दबाजी में एक निजी आवास में छुपा दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वह तत्काल झरिया थाना पहुंचीं और पूरे प्रकरण की शिकायत दर्ज कराई।

विधायक ने आरोप लगाया कि पिछले लगभग एक वर्ष से विभाग को बिना सूचित किए उक्त टैंकर का उपयोग अवैध रूप से किया जा रहा था। टैंकर पर नंबर प्लेट भी नहीं थी, जिससे इसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही थीं।

उन्होंने मांग की कि टैंकर को विधायक प्रतिनिधि के आवास से बरामद कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस संबंध में झरिया थाना प्रभारी ने विधायक को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नगर परिषद के वार्ड संख्या चार में दूर होगी पानी की समस्या : अध्यक्ष

निरसा (ससे) : चिरकुंडा नगर परिषद की अध्यक्ष सुनिता देवी ने चुनाव के दौरान प्रत्येक वार्डो का निरीक्षण करने के चुनावी वादे के तहत वार्ड संख्या चार पहुंची। जहां लोगों के साथ बैठक की।

बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि वार्ड संख्या चार में पानी की मुख्य समस्या है। लोगों ने कहा कि आज भी वार्ड संख्या चार में आधी आबादी पानी की समस्या से जुझ रहे है। अध्यक्ष ने पानी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि पानी की समस्या को दूर करने का प्रयास करूंगी। इसके लिए उन्होंने विधायक अरूप चटर्जी से मोबाइल पर संपर्क कर वार्ड संख्या चार में एक जलमीनार का निर्माण करने की बात कही। विधायक ने आश्वासन देते हुए कहा कि अगर जमीन उपलब्ध है तो जलमीनार का निर्माण हो सकता है। इसके लिए उन्होंने कहा कि जल्द ही हमलोगों निरीक्षण कर लेंगे। अगर वार्ड संख्या चार में जल मीनार का निर्माण हो जाने से लोगों की

पानी की समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही लोगों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन देते हुए कहा वार्ड संख्या चार में नियमित सफाई नही होता है। साथ ही अध्यक्ष को अन्य समस्याओं से अवगत कराया गया।

उन्होंने लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि वार्ड में अब नियमित सफाई होगी। साथ ही सुनिता देवी ने पूरे वार्ड में घूमकर निरीक्षण किया तथा लोगों की समस्या अवगत हुई। उन्होंने सभी महिलाओं व लोगों को आश्वत करते हुए कहा कि आपलोगों की हर समस्या का निदान करने का प्रयास करूंगी। बैठक में विमल राय, मुन्ना यादव, विभा देवी, मिथिलेश सिंह, शीला देवी, पुष्पा देवी, कौशल्या देवी, बिंदिया देवी आदि मौजूद थे।

डॉ घनश्याम की पुत्री को स्वर्ण पदक से किया सम्मानित

सिंदरी (ससे) : मुंबई स्थित एसपी जैन प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान

के वार्षिक दीक्षांत समारोह में बीआईटी सिंदरी के करियर डेवलपमेंट सेंटर के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम की पुत्री को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से परिवार एवं शिक्षण जगत में खुशी का माहौल है। डॉ. घनश्याम ने कहा कि अपनी पुत्री को आत्मविश्वास और विनम्रता के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त करते देखना उनके लिए गर्व और भावुकता का क्षण था। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों, संस्थान, मित्रों और परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि वास्तविक सफलता केवल पदक तक सीमित नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील इंसान बनना ही सबसे बड़ी उपलब्धि है। साथ ही उन्होंने अपनी पुत्री के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाकपा माले कार्यकर्ता का निधन

मृतक का फाइल फोटो

बलियापुर (ससे) : भाकपा माले कार्यकर्ता ५६ वर्षीय किशन महतो का रविवार को निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो में हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उनका निधन हो गया। स्व. महतो के परिवार में उनकी पत्नी, तीन पुत्री एवं एक पुत्र है। एकमात्र पुत्र प्रकाश महतो गुजरात में प्राइवेट नौकरी करता है। परिजन उनके पुत्र के आने का इंतजार कर रहे हैं। उनके निधन से विधायक चंद्रदेव महतो, मुखिया दिलीप कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य श्वेता कुमारी, विधायक प्रतिनिधि देवाशीष पांडेय, राजू महतो, भाजपा नेत्री अल्पना मुखर्जी आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौकचौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया।

इस दौरान कुल ११९७ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया।

इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया। एसएसपी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

पति के खिलाफ थाना में शिकायत दर्ज

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के पुटकी नं. ३ निवासी खुशबु कुमारी ने पुटकी थाना मे अपने पति सूरज सिंह के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट, छिनतई का लिखित शिकायत दी है। अपने शिकायत में पुलिस को बताई की ५/५/२६ के शाम मेरे पति मेरे मायका आकर मेरी माँ से मारपीट गालीगलौज करने लगा। बीच बचाव करने मैं और मेरा भाई किशन कुमार आये तो हमलोगों के साथ मारपीट करने लगा, रॉड से मेरी माँ के सिर पर वार कर दिया दिया, जिससे मेरी माँ गम्भीर रूप से जख्मी है गई। धमकी देते हुए माँ का मंगलसूत्र छीन कर फरार हो गया। पुटकी कांड संख्या ४६/२६ दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है। वही पुटकी नं. १० निवासी सूरज सिंह पिता कृष्णा सिंह ने अपने पत्नी खुशबु देवी, सास तारामति देवी और साला किशन कुमार पर मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल करने का लिखित शिकायत दिया है। पुलिस ने कांड संख्या ४५/२६ दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

कवि रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती पर सांस्कृतिक संध्या आयोजित

धनबाद (कासं) : बंगाली वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कविगुरु रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती के मौके पर एक सांस्कृतिक संध्या सोनार तेरी का आयोजन हीरापुर हरि मंदिर में किया गया।

गुरुदेव की तस्वीर पर संगठन के अध्यक्ष अतनु गुप्ता द्वारा माल्यार्पण व श्रद्धांजलि अर्पण करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सूतपा सेनगुप्ता, अनन्या मल्लिक, काकोली सेनगुप्ता तथा मास्टर रीशन दास ने कविगुरु के कविता सोनार तेरी का कलच की प्रस्तुति दी व रिकी बागदी नृत्य प्रस्तुत की।

स्पिरिंग ग्रुप द्वारा मनमोहक रविंद्र संगीत की प्रस्तुति कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साधना डांस अकादमी ने गीतबितान की प्रस्तुति की। समग्र कार्यक्रम का निर्देशन सूतपा सेनगुप्ता तथा मंच संचालन सोमनाथ चक्रवर्ती ने किया।

विजय का तमिलनाडु का सीएम बनना सपने के सच होने जैसा

मां शोभा ने कहा बेटे ने दिया मदर डे पर तोहफा, नई भूमिका पूरा भरोसा

चेन्नई,(ईएमएस): तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के तमिलनाडु के सीएम के रूप में शपथ ग्रहण को लेकर उनके परिवार ने खुशी और गर्व व्यक्त किया। विजय के पिता और वरिष्ठ फिल्म निर्माता एस ए चंद्रशेखर के घर से रवाना होते समय परिवार के सदस्यों ने इस अवसर को ''सपने के सच होने जैसा'' बताया।

उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए भी खास है, क्योंकि यह 'मदर्स डे' के दिन हो रहा है। विजय की मां शोभा चंद्रशेखर ने अपने बेटे की नई भूमिका पर अपार विश्वास जताया है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि विजय इस जिम्मेदारी को बहुत अच्छी तरह निभाएंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने 'मदर्स डे' के अवसर पर लोगों

को शुभकामनाएं भी दीं और इस राजनीतिक उपलब्धि को एक विशेष उपहार बताया। चंद्रशेखर ने कहा कि पिछले तीन दिनों से समर्थक बेसब्री से इस पल का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज लोगों के लिए बहुत खुशी का दिन है और टीवीके नेता का राज्य की जनता से गहरा जुड़ाव है। सेंट ब्रिट्टो एकेडमी से विजय की पूर्व शिक्षिका विमला ने भी अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने विजय की सफलता का श्रेय उनके ''समर्पण और दृढ़ता'' के साथ-साथ लोगों के प्रति उनके सच्चे प्रेम को दिया है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोगों से मिले प्यार से हम बेहद खुश और भावुक हैं। विजय की रिश्तेदार कीर्तना और पल्लवी समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है।

कीर्तना ने कहा कि पूरा परिवार उनकी इस उपलब्धि पर ''गर्व'' महसूस कर रहा है और यह उनके पूरे परिवार के लिए सम्मान की बात है। परिवार की मित्र रूपा सारनाथन ने कहा कि 'मदर्स डे' पर इस सपने का पूरा होना ''सबसे बड़ा उपहार'' है। बता दें अभिनेता से नेता बने विजय ने तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ ली। उनका चुनाव अभियान खासकर तमिलनाडु के युवा मतदाताओं के बीच काफी लोकप्रिय रहा।

उनका मुख्यमंत्री पद की शपथ लेना राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय की औपचारिक शुरुआत है।

अब शीर्ष नेतृत्व ही लेगा फैसला : गौरव गोगोई

गुवाहाटी,(ईएमएस): असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने हाल ही में हुए असम विधानसभा चुनाव के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी ली है। उन्होंने रविवार को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ हुई समीक्षा बैठक की। गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि असम विधानसभा चुनाव के हालिया नतीजे बेहद निराशाजनक रहे है। मैंने पहले भी कहा है कि मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पार्टी के हाईकमान को सूचित कर दिया है और आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने आगे कहा कि मैंने हाईकमान को भी सूचित कर दिया है और संगठनात्मक पुनर्गठन के साथ-साथ अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करने का फैसला हाईकमान को ही करना है। साथ ही हमने आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी हैमुझे लगता है कि अगले महीने हम उन वास्तविक कारणों का पता लगाने की कोशिश करेंगे जो २०२६ के इस विशेष परिणाम की व्याख्या कर सकते हैं।

पांच राज्यों में चुनाव संपन्न कराने के बाद तीर्थयात्रा पर निकले चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कोलकाता,(ईएमएस): पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव आयोग काफी व्यस्त था। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मसरूफ रहना भी स्वाभाविक है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद ज्ञानेश कुमार कहां हैं? इसका जवाब है ज्ञानेश कुमार परिवार के साथ तीर्थयात्रा पर गए हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सुबह आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर सफल चुनाव प्रक्रिया के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी पत्नी भी उनके साथ थीं। दोनों ने मंदिर में विधिवत पूजा कर देश में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न होने पर सर्वशक्तिमान ईश्वर का आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद किया।

मंदिर प्रशासन की ओर से दंपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। बता दें हाल ही में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, जिन्हें चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित कराया। चुनाव प्रक्रिया के सफल समापन के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त का यह पहली धार्मिक यात्रा है।

बता दें आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और सर्वाधिक दर्शन किए जाने वाले तीर्थस्थलों में शामिल है। भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले श्री वेंकटेश्वर स्वामी को समर्पित यह प्राचीन मंदिर तिरुमला की शेषाचलम पहाड़ियों की सातवीं चोटी पर स्थित है। श्रद्धालु इसे कलियुग वैकुंठ और कलियुग प्रत्यक्ष दैवम के नाम से भी जानते हैं।

द्रविड़ शैली की भव्य वास्तुकला वाला यह मंदिर धार्मिक आस्था और समृद्ध परंपराओं का अद्भुत संगम माना जाता है। मंदिर परिसर सुबह लगभग छह बजे से रात आठ बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहता है, हालांकि भीड़ के मुताबिक समय में बदलाव संभव है।

राजा सुब्रमणि जो चौहान की लेंगे जगह 35 सालों से अधिक का है लंबा सैन्य करियर

नई दिल्ली,(ईएमएस): केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बनाया है। वे जनरल अनिल चौहान की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल ३० मई को खत्म हो रहा है। देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के साथ-साथ, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि पदभार ग्रहण करने के अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग में सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्रालय ने लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को चार दशकों से ज्यादा की विशिष्ट सैन्य सेवा वाले एक उच्च सम्मानित अधिकारी के रूप में वर्णित किया है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चार दशकों से ज्यादा की विशिष्ट सेवा के साथ एक उच्च सम्मानित अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि वर्तमान में सितंबर २०२५ से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले उन्होंने सेना के उप प्रमुख और केंद्रीय कमान के जीओसी-इन-सी के रूप में कार्य किया है, इसके साथ ही पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर प्रमुख परिचालन इकाइयों की कमान संभाली है। लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में अपने सैन्य सफर की शुरुआत की और दिसंबर १९८५ में गढ़वाल राइफल्स में कमीशन हासिल किया।

उन्होंने सेना और रक्षा प्रतिष्ठान के भीतर कई अहम नियुक्तियों के जरिए एक व्यापक परिचालन और रणनीतिक प्रोफाइल का निर्माण किया। यूनाइटेड किंगडम के ब्रैकनेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, वे भारत लौट आए और एक पर्वतीय ब्रिगेड के ब्रिगेड मेजर के रूप में कार्यभार संभाला। इसके बाद में उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में अध्ययन किया। इस अधिकारी की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी प्रभावशाली है। उन्होंने किंग्स कॉलेज लंदन से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एम फिल की उपाधि हासिल की।

उन्होंने अपने ३५ सालों से अधिक के लंबे सैन्य करियर के दौरान कई प्रकार के सैन्य अभियानों और संघर्ष क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने कजाकिस्तान के अस्ताना स्थित भारतीय दूतावास में रक्षा अटैची के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया। कर्नल के पद पर रहते हुए उन्होंने सेना मुख्यालय में सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव के रूप में और बाद में पूर्वी कमान मुख्यालय में कर्नल जनरल स्टाफ के रूप में कार्य किया। लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी

मुंबई(ईएमएस): राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी। उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार ने राज्यसभा जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मां वर्ष २०२९ में मुख्यमंत्री पद की दावेदार होंगीमीडिया से बातचीत में जय पवार ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे और बारामती में रहकर लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बारामती के लोग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ता चाहते थे कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें, लेकिन उनके आकस्मिक निधन के कारण यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अब कार्यकर्ताओं और लोगों को उम्मीद है कि सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री बनकर अजित दादा की इच्छा पूरी करेंगी।

25 नई ई-बसें पहुंचीं सोलन, ट्रायल के बाद होगा परिचालन

शिमला,(ईएमएस): हिमाचल में ई-बसों का संचालन शीघ्र ही शुरू होगा। कंपनी ने पहले चरण में १० बसों का ट्रायल शुरू किया था, जो सोलन जिला के बाद हमीरपुर, कांगड़ा और शिमला में चल रही हैं। इसी बीच २५ और नई बसें सोलन भेजी गई हैं, जिन्हें पार्क किया गया है। निगम का कहना है कि ट्रायल पूरा होने के बाद ही बसों की डिलिवरी ली जाएगी। ये बसें ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक कंपनी से खरीदी जा रही है। तकनीकी सुधारों के बाद इन बसों का फिर से ट्रायल किया जा रहा है। ट्रायल सफल होने पर प्रदेश में २७७ नई बसें चलेंगी। एचआरटीसी के उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि केवल ट्रायल में सफल होने पर ही इन बसों का संचालन किया जाएगा।

भारत का मिसाइल परीक्षण और दहशत में चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान

नई दिल्ली,(ईएमएस): भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट से एक परमाणु-सक्षम इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का पहला परीक्षण किया है। एक रिपोर्ट में रक्षा सूत्र के हवाले से बताया है हालांकि यह परीक्षण-लांच अग्नि-६ मिसाइल जैसा नहीं लगता लेकिन आज जिस मिसाइल का परीक्षण हुआ है, वहां आईसीबीएम श्रेणी की है। डीआरडीओ ने अभी तक इस मिसाइल परीक्षण की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। कुछ दिन पहले ही बताया गया था कि डीआरडीओ आईसीबीएम क्लास की एक मिसाइल का परीक्षण करने वाला है। फिलहाल ये कौन सी मिसाइल है, इस लेकर रहस्य बना हुआ है लेकिन चर्चा की जा रही है कि ये अग्नि-६ मिसाइल है।

पाकिस्तान प्रोपेगेंडा चलाने वाली एक डिफेंस वेबसाइट ने टेस्ट को लेकर कहा है कि इसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक समीकरणों को तेजी से बदला है, क्योंकि यह परीक्षण चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते परमाणु आधुनिकीकरण की होड़ और उभरती हाइपरसोनिक स्ट्राइक क्षमताओं के बीच हुआ था। खासकर पाकिस्तान का डर इस बात को लेकर है कि दुनिया में सिर्फ चार देशों अमेरिका, रूस, चीन और उत्तरी कोरिया के पास ही आईसीबीएम टेक्नोलॉजी है और इन देशों ने १२,००० किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली आईसीबीएम मिसाइलें तैनात की हुई हैं। भारत अगर इस क्षमता में महारत हासिल कर लेता है, तब उसके पास अमेरिका तक में हमला करने की क्षमता हासिल होगी और पाकिस्तान के पास ये टेक्नोलॉजी नहीं है।

आपको जानकार गर्व होगा कि ईरान ने जिन बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है भारत के पास उससे कई गुणा ज्यादा क्षमता वाली मिसाइलें हैं। भारत की बैलिस्टिक मिसाइलों को दुनिया के किसी भी देश के लिए इंटरसेप्ट करना करीब असंभव है।

इसीलिए ईरान को एक साथ दर्जनों मिसाइलें लांच करने की जरूरत होती है लेकिन भारत को सिर्फ एक ही मिसाइल लांच करना है जो अपने टारगेट को १०० फीसदी हिट करेगा। भारत ने टेस्ट के लिए ३५०० किलोमीटर का नोटम जारी किया था जिसका मतलब है ये मिसाइल एक रणनीतिक मिसाइल हो सकती है। कई जानकार ने घटना को अग्नि-५ के संभावित डेवलपमेंट या फिर अग्नि-६ टेक्नोलॉजी के शुरुआती प्रदर्शन से जोड़कर देखा है।

बांग्लादेश में कई लोगों ने अपने मोबाइल पर आकाश में मिसाइल को रिकॉर्ड किया है। उन वीडियोज को देखने पर साफ होता है कि इसकी स्पीड हाइपरसोनिक री-एंट्री प्रोफाइल या मैक ५ से ज्यादा हो सकती है। इसके अलावा मिसाइल को पैंतरेबाजी करते हुए देखा गया जिसका मतलब मिसाइल की क्षमता को दिखाता है। इसके अलावा जानकार का मानना है कि ऐसी मिसाइलें काफी ज्यादा तबाही मचाती हैं और काफी ज्यादा महंगी भी होती हैं, जिसका मतलब है कि भारत की मिसाइल डॉक्ट्रिन उच्च दबाव वाले युद्ध के दौरान सटीक हमला करने से प्रेरित है।

पाकिस्तान के खिलाफ आईसीबीएम मिसाइलों की जरूरत नहीं है लेकिन इस मिसाइल के टेस्ट का मतलब है कि मकसद चीन के रणनीतिक लक्ष्य हो सकते हैं। यानि मिसाइल भंडार, परमाणु भंडार या काफी उच्च वैल्यू वाले टारगेट शामिल हो सकते है। भारत के रक्षा प्रतिष्ठान ने बार-बार चीन और पाकिस्तान दोनों के एक साथ बढ़ते दबाव और संभावित दो मोर्चों पर संघर्ष की स्थिति से उत्पन्न बढ़ती चुनौती पर जोर दिया है। अग्नि सीरिज की मिसाइलें लंबी दूरी तक चीन की मुख्य भूमि में रणनीतिक बुनियादी ढांचे को चाहे वहां काफी ज्यादा एयर डिफेंस के घेरे में ही क्यों ना हों उन्हें नष्ट करने की क्षमता को दिखाता है। बीजिंग लगातार नौसैनिक तैनाती, निगरानी गतिविधियों और दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे की साझेदारी के माध्यम से हिंद महासागर क्षेत्र में अपने परमाणु शस्त्रागार और सैन्य उपस्थिति दोनों का विस्तार कर रहा है।

एनडीए नेता ने की असम के राज्यपाल आचार्य से मुलाकात

गुवाहाटी,(ईएमएस): भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता असम में सरकार के गठन की प्रक्रिया को लेकर रविवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में राज्यपाल के साथ बैठक लोकभवन में तय थी। एक अधिकारी ने कहा कि नई सरकार के गठन से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई। राज्य में राजग द्वारा सरकार बनाने का दावा पेश किया और असमगण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) इसके घटक दल हैं। असम विधानसभा चुनावों में राजग ने दो-तिहाई बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल किया है। यहां १२६-विधानसभा सीट में से बीजेपी ने ८२ सीट जीतीं हैं, जबकि सहयोगी दलों अगप और बीपीएफ ने १०-१० सीट हासिल की हैं। बीजेपी के प्रवक्ता ने बताया कि राज्यपाल से मुलाकात से पहले बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने बैठक की थी।

महाराष्ट्र में 'स्याही कांड' से गरमाई राजनीति

मुंबई,(ईएमएस) : महाराष्ट्र में शनिवार को हुई दो अलग-अलग स्याही फेंकने की घटनाओं ने राज्य की राजनीति में हलचल पैदा कर दी।

पहली घटना पुणे के आलंदी क्षेत्र में हुई, जहां राकांपा (शरद पवार गुट) के प्रवक्ता विकास लवडे पर कुछ लोगों ने काली स्याही फेंकी। लवडे ने आरोप लगाया कि कीर्तनकार संग्राम भंडारे और उनके समर्थकों ने उनकी कार रोककर हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद वे पुलिस स्टेशन पहुंचकर सत्याग्रह पर बैठ गए। दूसरी घटना जालना में हुई, जहां मनसे कार्यकर्ताओं ने वकील गुणरत्न सदावर्ते की कार को घेरकर उस पर स्याही और सुपारी फेंकी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रित की और कुछ लोगों को हिरासत में लिया। इन अप्रत्याशित घटनाओं के बाद राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

आप नेताओं ने की बीजेपी व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

चंडीगढ़,(ईएमएस): अबोहर में रविवार को आम आदमी पार्टी ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की कोठी के बाहर घरना देकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीजेपी और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और ईडी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। धरने में जिला प्रधान उपकार सिंह जाखड़, फाजिल्का के विधायक नरेंद्र पाल सवना, जलालाबाद के विधायक अमनदीप गोल्डी कंबोज, हल्का इंचार्ज अरुण नारंग सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार विपक्षी दलों को दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है और आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक नरेंद्र पाल सवना ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ईडी का दुरुपयोग कर आम आदमी पार्टी के नेताओं को डराने और दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आए दिन

एजेंसियों के जरिए छापेमारी और कार्रवाई कर पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इन दबावों से डरने वाली नहीं है और पंजाब के लोग बीजेपी की धक्केशाही के आगे झुकने वाले नहीं हैं। सवना ने विधायक संदीप जाखड़ पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वह बीजेपी में हैं या कांग्रेस में।

वहीं जिला प्रधान उपकार सिंह जाखड़ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को पहले भी झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई, लेकिन अदालतों ने समय-समय पर सच्चाई सामने रखी है। हल्का इंचार्ज अरुण नारंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी लोकतंत्र और जनता की आवाज उठाने का काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दबाव बनाकर विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश लोकतंत्र के लिए ठीक संकेत नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

विधायक अमनदीप गोल्डी कंबोज ने कहा कि सुनील जाखड़ पहले बीजेपी की नीतियों की आलोचना करते थे, लेकिन अब केंद्र सरकार के समर्थन में बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को पंजाब के लोगों के हितों की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचानी चाहिए और राज्य के रुके हुए फंड जारी करवाने चाहिए। आप नेताओं ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को पहले किसान आंदोलन के दौरान पंजाब और किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था और आखिरकार कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। नेताओं ने कहा कि पंजाब के लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना जानते हैं और आने वाले समय में जनता बीजेपी को जवाब देगी।

केरल में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए रार

तिरुवनंतपुरम(ईएमएस): केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के १० साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर जश्न से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों-वीडी सतीसन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले २४ घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी।

सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया। इडुक्की में दिवंगत नेता ओमान चांडी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड को फाड़कर उस पर कालिख पोत दी गई, जिसकी कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने कड़ी निंदा की है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दबाव की राजनीति से नेतृत्व तय नहीं किया जा सकता। दावेदारों की बात करें तो निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन को एलडीएफ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है और उन्हें मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर, रमेश चेन्निथला की संगठन पर मजबूत पकड़ है और उन्हें सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। वहीं, केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेहद भरोसेमंद हैं, हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इनके साथ ही तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर का नाम भी चर्चा में है, जिन्होंने हाल ही में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात कर राज्य की स्थिति पर फीडबैक दिया है।

योगी मंत्रिमंडल में 6 नए मंत्रियों ने ली शपथ

लखनऊ,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में रविवार को दूसरी बार मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। राजभवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों ने शपथ ली, जबकि दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत कर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। इसके बाद समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय ने मंत्री पद की शपथ ली। दोनों नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इसके बाद अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर ने शपथ ली। दोनों पहले राज्य मंत्री थे और अब उन्हें राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दर्जा दिया गया है। वहीं कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्यमंत्री बनाया गया है। कृष्णा पासवान की नियुक्ति खास चर्चा में रही। वे चौथी बार विधायक बनी हैं और राजनीति में आने से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुकी हैं।

नए मंत्रियों ने राज्यपाल और सीएम के पैर पड़े

शपथ ग्रहण के बाद कई नए मंत्रियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नए मंत्रिमंडल में सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा गया है। इसमें एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग के नेताओं को जगह मिली है।

कुल मंत्रियों की संख्या ६० हुई

अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रदेश सरकार में कुल मंत्रियों की संख्या ६० हो गई है। इससे पहले मार्च २०२४ में लोकसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया गया था।

आशा मौर्या की नाराजगी

इस मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भी कुछ लोग असंतुष्ट दिखे, जिनमें आशा मौर्या का नाम भी शामिल है। दरअसल मंत्री पद नहीं मिलने से भाजपा विधायक आशा मौर्या नाराज नजर आईं। उन्होंने पार्टी पर मौर्य समाज की अनदेखी और दलबदलू नेताओं को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

राजस्थान सरकार ने 24 दवाओं पर लगाई रोक

कोटा,(ईएमएस): राजस्थान के कोटा मेडिकल कॉलेज में सीजेरियन डिलीवरी के बाद दो महिलाओं की मौत के मामले में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्यभर में २४ दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की सप्लाई एवं उपयोग पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।

प्रतिबंधित वस्तुओं में इंजेक्शन, ग्लूकोज बोतलें, आईवी सेट, सिरिंज और कैथेटर जैसे उपकरण शामिल हैं। विभाग ने इन दवाओं और उपकरणों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। मामले की शुरुआती जांच में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही सामने आने के बाद कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। डॉ. श्रद्धा उपाध्याय को सेवा से हटाया गया है, जबकि दो नर्सिंगकर्मियों और सर्जरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नवनीत कुमार को निलंबित किया गया है।

यूपी कैबिनेट में बेटे को जगह नहीं मिलने से नाराज बृजभूषण

लखनऊ,(ईएमएस) : यूपी में कैबिनेट का विस्तार होना है। इसको लेकर लखनऊ में तैयारी भी चल रही है। इन सबके बीच खबर यह है कि बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह नाराज हैं। माना जा रहा था कि इस कैबिनेट विस्तार में बृजभूषण के बेटे को मंत्री बनाया जा सकता है, लेकिन अब तक जो खबरें आई है उसके मुताबिक के बृजभूषण के बेटे का नाम मंत्री पद के शपथ लेने वाले नेताओं में नहीं है। इसी बीच बृजभूषण ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अपनी पोस्ट में बृजभूषण शरण सिंह ने साफ तौर पर लिखा है कि शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस साख पर बैठे हो वह टूट भी सकती है। माना जा रहा है कि इस पोस्ट के जरिए बृजभूषण ने अपनी नाराजगी जाहिर की है, लेकिन आखिर बृजभूषण का यह पोस्ट क्यों आया है, इसको लेकर जानकारी वह खुद दे सकते हैं। फिलहाल उनके इस पोस्ट को योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़ कर देखा जा रहा है।

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ स्थित 'जन भवन' में शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के बाद राज्य में मंत्रिपरिषद विस्तार की संभावना तेज हो गई हैं। 'जन भवन' की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक सीएम योगी ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें लालचंद राम द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय ज्ञान परंपरा अवधारणा भेंट की। राज्य में लंबे समय से मंत्रिपरिषद विस्तार की चर्चाएं चल रही हैं और माना जा रहा है कि इस पर जल्द फैसला हो सकता है।

पश्चिम बंगाल और असम समेत कई राज्यों में हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि यूपी सरकार में भी विस्तार संभव है। उत्तर प्रदेश की ४०३ सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम ६० मंत्री हो सकते हैं जबकि वर्तमान में कुछ मंत्री पद रिक्त हैं। अगले साल २०२७ के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंत्रिपरिषद विस्तार को राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विस्तार रविवार को हो सकता है हालांकि अभी तक सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

भाजपा विधायक कानून की धज्जियां उड़ाता है : तेजस्वी

पटना (एजेंसी): बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया और इस पोस्ट के माध्यम से मुजफ्फरपुर के एक भाजपा विधायक पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि ये बीजेपी का मुजफ्फरपुर का विधायक है जो दो दर्जन गुर्गों के साथ वार्ड-४८ में आम आदमी के घर में घुसकर मारपीट करता है, तांडव मचाता है और कानून की धज्जियां उड़ाता है। नेता प्रतिपक्ष ने इस घटना को सरेआम 'तांडव' करार दिया। साथ ही कहा कि इन लोगों की मानसिकता है कि लोगों में भय का माहौल पैदा करना, ताकि वो मंत्री, विधायक से सवाल नहीं पूछ सके। साथ ही उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जो इस विधायक की नहीं सुनता, उसका कुछ भी हो सकता है।

तेजस्वी यादव ने आगे राज्य की छऊ- सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल खड़े किए और कहा कि क्या बड़बोले मुख्यमंत्री में इतनी हिम्मत है कि वे अपनी ही सरकार के सहयोगी दल के 'गुंडे' विधायक के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई कर सकें? उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कोई भी कदम उठाने से पहले व्यक्ति की 'जाति' देखते हैं, जिसके कारण पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

जमीन के रजिस्ट्रेशन से पहले सीओ का होगा वेरिफिकेशन

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार ने ज़मीन रजिस्ट्रेशन के लिए एक नई वेरिफिकेशन प्रणाली शुरू की है, जिसके तहत किसी भी ज़मीन के टुकड़े के रजिस्ट्रेशन से पहले संबंधित सर्कल ऑफिसर द्वारा निरीक्षण और मंज़ूरी लेना अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का मकसद पूरे राज्य में धोखाधड़ी वाले लेन-देन, जाली दस्तावेज़ों और लंबे समय से चले आ रहे ज़मीन विवादों को कम करना है। संशोधित प्रणाली के तहत, खरीदारों और विक्रेताओं को सबसे पहले ई.निबंधन पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन आवेदन जमा करना होगा।

आवेदकों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आगे बढ़ाने से पहले ज़मीन से जुड़े सभी ज़रूरी दस्तावेज़ और विवरण अपलोड करने होंगे। आवेदन जमा होने के बाद, संबंधित सर्कल ऑफिस ज़मीन पर जाकर (फील्ड-लेवल पर) वेरिफिकेशन करेगा और एक निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेगा। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया तभी आगे बढ़ेगी, जब यह रिपोर्ट मिल जाएगी।

सरकार ने आवेदन प्रक्रिया के तहत कई विवरणों को अनिवार्य कर दिया है, जिनमें शामिल हैं:

खाता संख्या,खेसरा संख्या,. जमीन का क्षेत्रफल, सीमाओं का विवरण, जमाबंदी संख्या, विक्रेता का नाम।

अधिकारियों ने बताया कि सर्कल ऑफिसर इन विवरणों की प्रामाणिकता की जांच करेगा और यह पता लगाएगा कि क्या ज़मीन किसी विवाद में फंसी हुई है। रिपोर्ट में यह भी साफ़ तौर पर बताया जाना चाहिए कि ज़मीन निजी स्वामित्व वाली है या सरकारी संपत्ति, और विक्रेता द्वारा किए गए स्वामित्व के दावों की वैधता की पुष्टि भी की जानी चाहिए।

सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे १० दिनों के भीतर निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करके जारी करें। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट जमा नहीं की जाती है, तो रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पोर्टल पर पहले से अपलोड की गई जानकारी के आधार पर आगे बढ़ सकती है। देरी होने पर इसकी जवाबदेही संबंधित अधिकारियों पर तय की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस कदम से धोखाधड़ी कम होगी। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रणाली को इसलिए डिज़ाइन किया गया है ताकि ज़मीन के लेन-देन को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा सके; इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाता है कि खरीदारों को खरीदारी पूरी करने से पहले सत्यापित जानकारी प्राप्त हो। सरकार का मानना है कि इस पहल से जाली दस्तावेज़ों, अवैध रजिस्ट्रेशन और स्वामित्व से जुड़े विवादों के मामलों को कम करने में मदद मिलेगी।

गौतम विहार में किशोर की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (ईएमएस): उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र के गौतम विहार में रविवार को एक १६ वर्षीय लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने दिल्ली में हिंसक अपराधों में हो रही वृद्धि पर एक बार फिर गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और सबूत जुटाने में लग गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक किशोर की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है।

हत्या के पीछे के मकसद और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने के लिए व्यापक जांच जारी है। जांचकर्ता स्थानीय निवासियों से पूछताछ कर रहे हैं और हमलावरों का सुराग पाने तथा घटना से पहले की कड़ियों को जोड़ने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। यह घटना दिल्ली में हाल के हफ्तों में हुई हिंसक चाकूबाजी की कई घटनाओं में से एक है।

लाठीचार्ज के खिलाफ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला फूंका

सहरसा (एजेंसी): सहरसा में कचहरी चौक पर रविवार को भाकपा माले और आरवाईए कार्यकर्ताओं ने मिलकर टीआरई-४ अभ्यर्थियों पर हुए लाठाचार्ज के खिलाफ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरा का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही महिला अभ्यर्थियों के साथ पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार करने पर गहरा रोष व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

इस दौरान प्रदर्शन कर रहे आरवाईए- राष्ट्रीय पार्षद सह माले नेता कुंदन यादव ने इस तरह कि पुलिसिया कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपने भविष्य सुधारने के लिए रोजगार मांग रहे अभ्यर्थियों को दौड़ा-दौड़ा कर मारना भाजपा-जदयू सरकार की दमनकारी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि कल को शिक्षक बनकर यही युवा शिक्षा व्यवस्था को सुधार लाएंगे, राज्य् का नाम रौशन करेंगे। आज उन्हें ही दौड़ा-दौड़ा कर पीटा जा रहा है।

आगे माले नेता ने राज्य सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि बिहार में लाखों पद खाली पड़े हैं। स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। सरकार खुद विफल है कि नियुक्ति नहीं करवा पा रही है। बार-बार अभ्यर्थियों को केवल लॉलीपोप दिया जाता है और उन्हें बरगलाया जाता है। लेकिन जब अभ्यर्थी इसका विरोध करत हैं तब उनपर लाठियां बरसाई जाती है। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने सरकार के समक्ष कई मांगे रखीं और कहा कि जल्द-से-जल्द टीआरई-४ का विज्ञापन जारी सरकार जारी करे। इसके अलावे यह भी कहा कि लाठीचार्ज में शामिल पुलिस अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई की जाए।

आंधी-तूफान से 52 साल में पहली बार बंद हुआ पटना जू

पटना (एजेंसी): बिहार में पटना जू दो दिनों के लिए बंद रहेगा। ५२ सालों में पहली बार है कि जू बंद रहेगा। आंधी-बारिश के कारण बंद रहेगा। जू परिसर में ३० से अधिक पेड़ जड़ से उखड़कर गिरे हैं। २०० से अधिक कर्मचारी साफ-सफाई में लगे हैं। दरअसल शुक्रवार को आई तेज आंधी-तूफान में जू में कई बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गए। इससे जू परिसर का हालत अस्त व्यस्त हो गया है। गिरे हुए पेड़ों के कारण जू के अंदर जाने वाले कई रास्ते बाधित हो गए हैं। इसी कारण रविवार और सोमवार दो दिनों के लिए बंद रखा गया।

ऐसा पहली बार होगा कि ५२ सालों बाद पटना जू बंद होगा। ध्यान हो कि अभी हाल ही में पटना जू का नाम बदलकर मशहूर संजय गांधी जैविक उद्यान कर दिया गया है। हालांकि इस दौरान किसी भी जानवर के घायल होने की खबर नहीं है। सभी वन्यजीव पूरी तरह से सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जू निदेशक हेमंत पाटिल ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे परिसर में साफ-सफाई का काम चल रहा है। इसके लिए २०० से अधिक कर्मचारियों को अलग-अलग कामों के लिए लगाया गया है। फिलहाल पटना जू में दो दिनों के लिए आम लोगों की एंट्री बंद है।

ममता के महाबरगद को उखाड़ने में 6 साल लगे शुभेंदु को

कोलकाता,(ईएमएस): पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। जिस नेता ने कभी ममता बनर्जी को सत्ता के शीर्ष तक पहुँचाने में मुख्य भूमिका निभाई थी, आज वही शुभेंदु अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री पद की कमान संभाल रहे हैं। उन्हे राज्य में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के महाबरगद को उखाड़ने में ६ साल लगे। शुभेंदु के संघर्ष, की शुरुआत अक्टूबर २०२० में उस समय हुई, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर एक खामोश तूफान उठ रहा था। पूर्वी मेदिनीपुर के निर्विवाद नेता और नंदीग्राम आंदोलन के स्तंभ रहे शुभेंदु अधिकारी पार्टी के अंदर बढ़ते पारिवारिक वर्चस्व से असहज महसूस कर रहे थे।

शुभेंदु अधिकारी का टीएमसी से मोहभंग उस समय शुरू हुआ जब पार्टी संगठन में अभिषेक बनर्जी का कद बढ़ाया गया। शुभेंदु ने इसे नेतृत्व के अहंकार के रूप में देखा और स्वामी विवेकानंद के विचारों का हवाला देते हुए मैं और मेरा के सिद्धांत पर चलने वालों को खरी-खरी सुनाई। धीरे-धीरे उनकी रैलियों से ममता बनर्जी की तस्वीरें और टीएमसी के नारे गायब होने लगे। २७ नवंबर २०२० को उन्होंने ममता कैबिनेट से इस्तीफा देकर अपने इरादे साफ कर दिए। हालांकि, उन्हें मनाने के लिए सौगत राय और रणनीतिकार प्रशांत किशोर जैसे दूतों ने पूरी कोशिश की, लेकिन शुभेंदु अपने फैसले पर अटल रहे। आखिरकार, १७ दिसंबर २०२० को उन्होंने टीएमसी की प्राथमिक सदस्यता त्याग दी। उस समय ममता बनर्जी ने उन्हें बाहर जाने वाला करार देते हुए कहा था कि दो-तीन लोगों के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन भविष्य ने कुछ और ही तय कर रखा था।

१९ दिसंबर २०२० को मिदनापुर के कॉलेज ग्राउंड में गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शुभेंदु अधिकारी भाजपा में शामिल हुए। वहां से वे भाजपा के ऐसे सारथी बने जिन्हें बंगाल के भूगोल और जनमानस की नब्ज का गहरा ज्ञान था। उन्होंने न केवल संगठन को मजबूत किया, बल्कि ममता बनर्जी के अपराजेय होने के मिथक को भी चुनौती दी। पिछले छह वर्षों की अथक मेहनत, जमीनी जनसंपर्क और सटीक रणनीतियों का परिणाम आज सबके सामने है। शुभेंदु अधिकारी ने साबित कर दिया कि जमीनी नेता और वैचारिक स्पष्टता के दम पर राजनीति की दिशा बदली जा सकती है। आज वे उसी राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं, जहां उन्होंने कभी विपक्ष की आवाज बुलंद की थी।

हाईटेक इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा मिलने से हड़कंप

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस): हाजीपुर रेलखंड पर सराय स्टेशन के पास एक सिग्नल टावर पर संदिग्ध हाईटेक इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा मिलने से हड़कंप मच गया है। इस गंभीर सुरक्षा चूक के सामने आने के बाद पूरे देश में रेलवे सुरक्षा को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरपीएफ, एटीएस, एसटीएफ और खुफिया एजेंसियां संयुक्त रूप से जांच में जुट गई हैं। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि इस कैमरे का इस्तेमाल किसी आतंकी नेटवर्क द्वारा रेलवे की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा रहा था। आरपीएफ महानिदेशक ने देशभर के अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने और विशेष निगरानी के लिए १२ सूत्रीय निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत पूर्व मध्य रेल के सभी पांचों मंडलों में स्टेशन परिसरों, सिग्नल टावरों और पटरियों के पास लगे कैमरों की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सभी कैमरे रेलवे द्वारा ही लगाए गए हों। समस्तीपुर और सोनपुर सहित विभिन्न रेल मंडलों के प्रबंधकों से इस संबंध में तत्काल रिपोर्ट मांगी गई है। रेलवे इंटेलिजेंस और आर्मी इंटेलिजेंस भी इस मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है। आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम नेतृत्व संभालते हुए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हाईटेक कैमरा वहां कब और किसने लगाया। रेलवे के संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। रेल पुलिस ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस कांड की हर पहलू से जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

सिद्धार्थनगर में सरसों तेल के 28 नमूने में 22 फेल

सिद्धार्थनगर (ईएमएस): जिले में रसोई के सबसे अनिवार्य हिस्से, सरसों तेल की शुद्धता को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई हालिया जांच में सरसों तेल के २८ नमूनों में से २२ नमूने फेल पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचे गए नमूनों में से छह में लेबलिंग की खामियां मिलीं, जबकि अन्य नमूनों में सीधे तौर पर मिलावट की पुष्टि हुई है। यह स्थिति जिले के लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के २५ नमूनों के साथ पिछले वर्ष के तीन लंबित नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। तकनीकी जांच में कई नमूनों की आयोडीन, सपोनिफिकेशन और रेंसी वैल्यू तय मानकों से काफी अधिक मिली है।

विशेष रूप से बांसी कस्बे से लिए गए एक नमूने में आयोडीन वैल्यू खतरनाक स्तर पर पाई गई। जानकारों का कहना है कि तेल के मानकों में इस तरह की गिरावट सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है। जिले में सरसों का स्थानीय उत्पादन कम होने के कारण लगभग ९५ प्रतिशत आबादी बाजार के ब्रांडेड और खुले तेल पर निर्भर है। आंकड़ों के मुताबिक, जिले के करीब सात लाख परिवारों में हर महीने दो हजार किलोलीटर से अधिक तेल की खपत होती है, जो शादी-ब्याह के मौसम में और बढ़ जाती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि मानक विहीन तेल के निरंतर सेवन से हृदय रोग, लीवर की समस्या, पेट की बीमारियां और त्वचा संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने शोभनदेव चट्टोपाध्याय को बनाया नेता विपक्ष

कोलकाता (ईएमएस): तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त किया है। शोभनदेव चट्टोपाध्याय लंबे समय से ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी माने जाते हैं और पार्टी संगठन में उनकी मजबूत पकड़ रही है। इससे पहले वह पश्चिम बंगाल की पिछली सरकार में बिजली मंत्री के पद पर भी कार्य कर चुके हैं।

अगर उनके राजनीतिक सफर की बात करें तो शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने अपने करियर की शुरुआत श्रमिक राजनीति और यूनियन नेतृत्व से की थी। वह अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की श्रमिक इकाई के संस्थापकों में भी शामिल रहे हैं। उन्होंने पहली बार १९९८ में रासबिहारी विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया था। लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक पकड़ के कारण पार्टी ने उन्हें विधानसभा में विपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

वहीं दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई राजनीतिक तस्वीर भी तेजी से उभर रही है। शनिवार को सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ नई सरकार के मंत्रिमंडल का गठन भी हुआ, जिसे राजनीतिक और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री के साथ शपथ लेने वाले मंत्रियों का चयन केवल राजनीतिक अनुभव के आधार पर नहीं, बल्कि राज्य के विभिन्न सामाजिक और क्षेत्रीय समूहों को प्रतिनिधित्व देने की रणनीति के तहत किया गया है। नई सरकार ने अपने पहले राजनीतिक संदेश में सामाजिक संतुलन और व्यापक प्रतिनिधित्व पर विशेष जोर दिया है। इसे भारतीय जनता पार्टी की सबका साथ, सबका विश्वास नीति को बंगाल की सामाजिक संरचना के साथ जोड़ने की कोशिश माना जा रहा है।

नई कैबिनेट में दीलिप घोष को शामिल कर बीजेपी ने ओबीसी समुदाय को मजबूत राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की है। दिलीप घोष लंबे समय से बंगाल बीजेपी का प्रमुख चेहरा रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ हिंदुत्व समर्थक वोटरों के बीच उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। राज्य की राजनीति में ओबीसी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए बीजेपी इस वर्ग में अपना आधार लगातार मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

जतरा हमारी सांस्कृतिक आत्मा के साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा का भी संकल्प है : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (एजेंसी): २१ पाड़हा जेठ जतरा, टेंगरिया (बेड़ो) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस ऐतिहासिक एवं पारंपरिक आयोजन में शामिल होकर मन अत्यंत गौरव, आत्मीयता और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहरे जुड़ाव की अनुभूति से भर उठा।

उन्होंने कहा कि जेठ जतरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे पुरखों की अमूल्य धरोहर, हमारी पहचान और हमारी सांस्कृतिक आत्मा का जीवंत प्रतीक है। सदियों से चली आ रही पाड़हा व्यवस्था, हमारी परंपराएं, रीति-रिवाज और सामुदायिक एकता आज भी हमें अपनी जड़ों से जोड़े हुए हैं तथा हमारी विशिष्ट आदिवासी पहचान को सशक्त बना रहे हैं।

गौरवशाली विरासत और सामूहिक चेतना का प्रतीक

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस पावन अवसर पर विभिन्न गांवों से आए खोड़हा दलों ने पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों, लकड़ी के घोड़ों, झंडों एवं मनमोहक लोकनृत्यों के माध्यम से जो सांस्कृतिक छटा प्रस्तुत की, वह अत्यंत अद्भुत, जीवंत और हृदयस्पर्शी थी। यह दृश्य हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति की विरासत और प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में गांवों के लोग ही ऐसे पारंपरिक आयोजनों के माध्यम से हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। जतरा केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जल, जंगल और जमीन की रक्षा के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

उन्होंने आगे कहा कि जनप्रतिनिधियों की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाकर लोगों का मनोबल बढ़ाएं, उनकी परंपराओं का सम्मान करें और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित पहुंचाने में सहभागी बनें। इस अवसर पर उप प्रमुख मोदशिर हक, अजीत तिर्की, रोशन तिर्की, फ़हीमुल हक, शम्भू बैठा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रांची में 18 महीने की अदिति के लापता होने की खबर पर सीएम हेमंत ने लिया संज्ञान

रांची (एजेंसी): रांची के कोकर से १८ महीने की बच्ची अदिति ९ मई की शाम ४ बजे से लापता है। इस संबंध में द फॉलोअप झारखंड की खबर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया है। सीएम हेमंत ने रांची पुलिस को निर्देश दिया है कि अदिति की तलाश के लिए की गई कार्रवाई के संबंध में उन्हें सूचित किया जाए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर रांची पुलिस को टैग करते हुए निर्देश दिया है कि अदिति बिटिया की तलाश से जुड़े अभियान में की गई कार्रवाई के बारे में हमें तुरंत सूचित करें। मुख्यमंत्री ने झारखंड पुलिस के वरीय अधिकारियों और उपायुक्त को भी तलब किया है।

18 महीने की अदिति लापता

गौरतलब है कि रांची के कोकर इलाके से १८ महीने की मासूम बच्ची अदिति पडिय लापता है। जानकारी के अनुसार, कोकर निवासी मनीष पडिय की बेटी अदिति ९ मई की शाम करीब ४ से ५ बजे के बीच पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रही थी और इसी दौरान वह अचानक लापता हो गई। जब अदीति नहीं मिली तब परिजनों ने आसपास और पूरे मोहल्ले में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

सदर थाना में शिकायत दर्ज

घटना के बाद परिजनों ने सदर थाना में बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि करीब २४ घंटे बीत जाने के बाद भी अदिति का कोई सुराग नहीं मिला है। बच्ची के गायब होने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में चिंता का माहौल है। परिजनों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को बच्ची के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत ६२०५२५०१०३ नंबर पर संपर्क करें।

जनगणना में सरना कॉलम न होने पर भड़के आदिवासी संगठन

केंद्र पर लगाया पहचान मिटाने का आरोप

रांची (ईएमएस): आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड के लिए अलग कॉलम शामिल न किए जाने के फैसले ने आदिवासी समुदायों के बीच भारी असंतोष पैदा कर दिया है।

रांची के करमटोली स्थित केंद्रीय धुमकुड़िया सभागार में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न आदिवासी संगठनों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के इस रुख की कड़ी निंदा की। आदिवासी नेताओं ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि जनगणना से अलग धार्मिक पहचान का विकल्प हटाना आदिवासियों के अस्तित्व और उनकी विशिष्ट संस्कृति को कमजोर करने की एक सोची-समझी कोशिश है।

आदिवासी जन परिषद के प्रेम शाही मुंडा, पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और देवकुमार धान जैसे प्रमुख नेताओं ने साझा बयान में कहा कि आदिवासी समाज की अपनी अलग धार्मिक और सामाजिक परंपराएं हैं, जो अन्य स्थापित धर्मों से पूरी तरह भिन्न हैं। उन्होंने तर्क दिया कि आदिवासी न तो हिंदू हैं और न ही किसी अन्य संगठित धर्म का हिस्सा, बल्कि उनकी मान्यताएं प्रकृति पूजा और पूर्वजों की परंपराओं पर आधारित हैं। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वर्ष २०११ की जनगणना में आदिवासियों के पास अपनी धार्मिक पहचान दर्ज कराने का विकल्प था, जिसे अब समाप्त करना उनके मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला है। अपनी मांगों को लेकर आदिवासी संगठनों ने अब देशव्यापी आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। इसी कड़ी में १६ मई को महाराष्ट्र के नासिक में एक विशाल विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है। संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि आदिवासियों की विशिष्ट पहचान को संवैधानिक मान्यता और जनगणना में स्थान नहीं मिला, तो आने वाले समय में इस आंदोलन को और अधिक उग्र और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि वे अपनी पहचान की रक्षा के लिए किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार हैं।

झारखंड के शराब घोटाले की जांच रही बेनतीजा

जमानत पर रिहा हुए सभी आरोपी

रांची (ईएमएस): झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन जांच अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। २० मई २०२५ को दर्ज हुई इस प्राथमिकी के बाद एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी ने पिछले एक साल के दौरान निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत १७ रसूखदार अधिकारियों और शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेजा, लेकिन समय पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने में विफल रही।

एसीबी की इस सुस्ती का सीधा लाभ आरोपियों को मिला और एक-एक कर लगभग सभी आरोपित हिफॉल्ट बेल पाकर जेल से बाहर आ गए। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि एसीबी ने गिरफ्तारी के समय जितनी तत्परता दिखाई थी, उतनी ही उदासीनता चार्जशीट दाखिल करने में बरती गई। एजेंसी के अधिकारियों ने दलील दी कि उनकी तैयारी पूरी नहीं थी, जिसके कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी दस्तावेज अदालत में पेश नहीं किए जा सके। गौरतलब है कि २० मई २०२५ को कार्रवाई शुरू करते हुए एसीबी ने सबसे पहले तत्कालीन आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एजेंसी के नीरज कुमार को सलाखों के पीछे भेजा था। उस समय अदालत में दावा किया गया था कि अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। हालांकि, इन दावों के बावजूद जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई।

फिलहाल, विनय कुमार चौबे एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि सिंडिकेट के बाकी सभी सदस्य बाहर आ चुके हैं। यह पूरा घोटाला वर्ष २०२२ की नई उत्पाद नीति से जुड़ा है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर नियमों में मनमाना बदलाव किया गया और फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर चहेती प्लेसमेंट एजेंसियों को मैनपावर सप्लाई का ठेका दिया गया। शुरुआती जांच में यह घोटाला ३८ करोड़ रुपये का बताया गया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इसके ७५० करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया।

शिक्षकों की कमी दूर करने को झारखंड सरकार का मास्टरप्लान

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने राज्य के विश्वविद्यालयों और अंगीभूत कॉलेजों की व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए 'झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, २०२६' के तहत नई नियमावली तैयार की है। इस नए नियम के लागू होने से अब प्रोफेसरों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवा शर्तों से लेकर उनके तबादले तक का नियंत्रण सीधे राज्य सरकार के पास होगा। सरकार का मुख्य फोकस गांव और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी को दूर करना और शैक्षणिक ढांचे को और अधिक जवाबदेह बनाना है। सरकार यह भी देखेगी कि वहां प्रोफेसरों और कर्मचारियों की कमी न हो। जिन कर्मचारियों की नौकरी को दो साल से कम समय हुआ है, उनका तबादला या प्रतिनियुक्ति नहीं की जाएगी।

प्रतिनियुक्ति और स्थानांतरण का प्रावधान

सरकार प्रोफेसरों और कर्मचारियों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग या उससे जुड़े कार्यालयों में स्थानांतरित कर सकेगी। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें केंद्र सरकार, राज्य सरकार या अन्य शैक्षणिक संस्थानों के स्वायत्त निकायों में प्रतिनियुक्त भी किया जा सकेगा। विश्वविद्यालयों और अंगीभूत कॉलेजों में पदों की संख्या तथा कर्मचारियों की सेवा शर्तों का निर्धारण राज्य सरकार करेगी। यदि किसी कॉलेज या विश्वविद्यालय में प्रोफेसर का पद रिक्त हो या कोई प्रोफेसर लंबे अवकाश पर हो, तो वहां अनुबंध के आधार पर प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति की जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि संविदा या अनुबंध पर नियुक्त कर्मचारियों को बाद में स्थायी नौकरी का अधिकार नहीं मिलेगा।

पृष्ठ एक का शेषांश

पेट्रोल-डीजल बचाने---

हो, तो कार-पूलिंग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने माल परिवहन के लिए रेलवे फ्रेट सेवाओं के इस्तेमाल पर भी जोर दिया और कहा कि इलेक्ट्रिक रेलगाड़ियों को पेट्रोल-डीजल की जरूरत नहीं होती, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। प्रधानमंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास इलेक्ट्रिक गाड़ियां हैं, उन्हें उनका अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक संकट के समय हर नागरिक को जिम्मेदारी निभानी होगी और छोटे-छोटे कदम भी देशहित में बड़ा योगदान दे सकते हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में सोने की खरीद को लेकर भी लोगों से एक विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि पहले जब भी देश पर संकट आता था, लोग राष्ट्रहित में सोना दान करते थे। अब दान की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर देशवासी एक साल तक सोने के आभूषण न खरीदने का संकल्प लें, तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आवश्यकता त्याग और जिम्मेदारी की भावना के साथ राष्ट्रहित में निर्णय लेने की है।

तमिलनाडु में नए युग---

तमिलनाडु में किसी गैर-द्रविड़ दल ने सत्ता की बागडोर संभाली है। इस जीत के साथ ही विजय ने फिल्मी पर्दे से निकलकर राजनीति के शिखर तक का सफर तय कर लिया है।

हमारी प्राथमिकता बंगाल----

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने २०२६ के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में २०७ सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के १५ साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है। वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने वहां की जनता से विकास का जो वादा किया है, हम निश्चित तौर पर उसे निभाएंगे। पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से घुसपैठ होती थी। भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था मजबूत हो। वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम होना चाहिए।

हम दुनिया को दिखाएंगे---

हुए चुनावों में ११,६९७ वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है। कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फरटिदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के १३वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

वो दिन दूर नहीं---

का मूड दर्शाते हैं। इन परिणामों का एक बहुत बड़ा संदेश ये है कि अस्थिरता में घिरी इस दुनिया में भारत की जनता स्थिरता का मंत्र दे रही है। उन्होंने कहा कि आपको याद होगा कि सिर्फ १० साल पहले बंगाल में हमारे सिर्फ ३ एमएलए थे। लेकिन आज वहां २०० से भी ज्यादा विधायकों के साथ बीजेपी की सरकार है। अभी केरलम में भी हम १ से ३ एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए की संख्या तीन से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि हम १२ साल से केंद्र में हैं, देश के २१ से ज्यादा प्रदेशों में बीजेपी-एनडीए की सरकारें हैं। उन्होंने कहा कि हम राज्य के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर काम कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ आप कांग्रेस को देखिए, जिस पार्टी को ४० साल पहले ४०० से ज्यादा सीट मिली थी। वो पिछले ३ इलेक्शन में सबकुछ मिलाकर भी १०० का आंकड़ा नहीं पा सकी, लेकिन कांग्रेस और उसके साथियों का अहंकार अधिक है कि अपनी पराजय के लिए भी वो पूरी दुनिया को दोष दे रहे हैं। संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक प्रक्रियाएं, कोर्ट के प्रति भी घृणा, मेरे सार्वजनिक जीवन में मैंने कभी भी किसी भी मुख्यधारा की पार्टी को ऐसा करते हुए नहीं देखा। वो इतनी निराशा की गर्त में डूबे हुए हैं कि गाली-गलौच और भद्दी भाषा के सिवाय उनके पास कोई एजेंडा नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी की सरकारों के लिए लोक कल्याण सर्वोपरि है। हमारा मंत्र सबका साथ-सबका विकास है। हमारा मॉडल गुड गवर्नेंस का है। इसलिए हर राज्य में जनता बीजेपी को दूसरी-तीसरी बार फिर से सेवा करने का अवसर देती है, लेकिन कांग्रेस की कोई भी राज्य सरकार दूसरी बार सत्ता में वापस नहीं लौटी है।

बंगाल में चला 'दादा' का---

मिलने के दौरान मिथुन ने सम्मान स्वरूप उनके पैर छूने की कोशिश की, लेकिन राजनाथ सिंह ने उन्हें रोक लिया। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें गले लगाकर अभिवादन किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि भाजपा नेतृत्व की ओर से मिथुन चक्रवर्ती के योगदान को सार्वजनिक सम्मान देने का संकेत भी था।

मिथुन चक्रवर्ती लंबे समय से भाजपा के लिए बंगाल में सक्रिय रहे हैं। वर्ष २०२१ में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने लगातार पार्टी के लिए प्रचार किया और बंगाल में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय बंगाल की फिल्म इंडस्ट्री में भाजपा के समर्थन को लेकर काफी विरोध का माहौल माना जाता था। कई कलाकार खुलकर भाजपा के पक्ष में आने से बचते थे। ऐसे माहौल में मिथुन चक्रवर्ती का भाजपा से जुड़ना बड़ा राजनीतिक संदेश माना गया था।

मिथुन चक्रवर्ती की लोकप्रियता केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं रही। कोलकाता के उच्च वर्ग से लेकर सुंदरबन के मछुआरों और पुरुलिया के आदिवासी क्षेत्रों तक उनकी मजबूत पकड़ देखने को मिली। अपनी सभाओं और भाषणों में उन्होंने गरीबों, शोषितों और आम बंगालियों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, मिथुन ने भाजपा और बंगाल की जनता के बीच भावनात्मक संबंध बनाने का काम किया। भाजपा की जीत के बाद भी मिथुन चक्रवर्ती ने किसी बड़े पद की इच्छा जाहिर नहीं की। पार्टी के लिए लगातार काम करते हुए उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल में भाजपा की जीत की मजबूत पटकथा लिखने में अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मंच पर व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलना इसी भूमिका की स्वीकार्यता के रूप में देखा जा रहा है।

रंगास्वामी 13 को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ पुडुचेरी में नई सरकार का रास्ता साफ

नई दिल्ली (ईएमएस): पुडुचेरी में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है और यह नियुक्ति उनके शपथ ग्रहण की तिथि से प्रभावी होगी।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना जारी होने के बाद पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने एन. रंगास्वामी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। सूत्रों के अनुसार, रंगास्वामी आगामी १३ मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके साथ ही वे पांचवीं बार पुडुचेरी की सत्ता संभालेंगे।

गौरतलब है कि पिछले महीने चार राज्यों के साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे। ४ मई को घोषित चुनाव परिणामों में पुडुचेरी में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता में वापसी की। चुनाव परिणामों के अनुसार, ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस ने १२ सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा को ४ सीटें मिलीं। इसके अलावा अन्नाद्रमुक और लाचिया जननायगा काची को एक-एक सीट प्राप्त हुई।

रंगासामी का राजनीतिक सफर

एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी की राजनीति का बेहद अनुभवी और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है। पेशे से वकील रहे रंगास्वामी अपने शांत और विनम्र स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। राजनीतिक जीवन की शुरुआत उन्होंने कांग्रेस पार्टी से की थी, लेकिन पार्टी में आंतरिक मतभेदों और खींचतान के चलते उन्होंने वर्ष २००८ में कांग्रेस छोड़ दी। इसके बाद फरवरी २०११ में उन्होंने ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस की स्थापना की। उसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की और रंगास्वामी पहली बार अपनी नई पार्टी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री बने। इस बार की जीत के साथ रंगास्वामी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पुडुचेरी की राजनीति में उनकी पकड़ अब भी मजबूत बनी हुई है।

जामताड़ा की बेटी दिबासी हेंब्रम ने थाईलैंड में गाड़ा जीत का झंडा, एयरगन शूटिंग में जीता स्वर्ण पदक

जामताड़ा

जामताड़ा जिले की दिबासी हेंब्रम ने थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय राइफल शूटिंग एयरगन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश और झारखंड का नाम रोशन किया है. कुंडहित प्रखंड की रहने वाली दिबासी हेंब्रम ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया. वे भारतीय दल की ओर से इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल थीं, जिसमें ४ से ७ मई २०२६ तक विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया. दिबासी की इस उपलब्धि की नींव जनवरी २०२६ में गोवा में आयोजित राष्ट्रीय राइफल शूटिंग

प्रतियोगिता में पड़ी थी, जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की थी. इसके बाद लगातार चार से पांच महीने के कठिन प्रशिक्षण और समर्पण के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बड़ी सफलता हासिल की. जामताड़ा जिला ओलंपिक संघ के सीनियर वाइसप्रेसिडेंट दीपक दुबे ने बताया कि दिबासी उस १४ सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा थीं, जिसने थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व किया.

आज जामताड़ा में होगा दिबासी हेंब्रम का भव्य स्वागत

इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे जामताड़ा जिले में खुशी की लहर है. सोशल मीडिया से लेकर खेल जगत तक उनकी चर्चा हो रही है. दिबासी हेंब्रम रविवार दोपहर जामताड़ा पहुंचेंगी, जहां खेल प्रेमियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा. उनकी इस जीत को क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा माना जा रहा है. सीमित संसाधनों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने यह साबित किया है कि समर्पण और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है.

तुलसी पूजन और गो सेवा से रहेंगे रोग दूर

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, बहुत सारे ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति सरल एवं सुलभ जीवन व्यतित कर सकता है। उन्हीं में से तुलसी पूजन और गो सेवा दो ऐसे शुभ कर्म हैं, जिस घर में प्रतिदिन होते हैं, वहां का द्वार रोग कभी नहीं खटखटाते और मिलते हैं ढेरों लाभ।

'स्कंद पुराण' के अनुसार जिस घर में तुलसी का बगीचा होता है (एवं प्रतिदिन पूजन होता है), उसमें यमदूत प्रवेश नहीं करते।'

'पद्म पुराण' में आता है कि 'कलियुग में तुलसी का पूजन, कीर्तन, ध्यान, रोपण और धारण करने से वह पाप को जलाती है और स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करती है।'

'पद्म पुराण' के उत्तर खंड में आता है कि कैसा भी पापी, अपराधी व्यक्ति हो, तुलसी की सूखी लकड़ियां उसके शव के ऊपर, पेट पर, मुंह पर थोड़ी-सी बिछा दें और तुलसी की लकड़ी से अग्नि शुरू करें तो उसकी दुर्गति से रक्षा होती है। यमदूत उसे नहीं ले जा सकते।

'गरुड़ पुराण' (धर्म कांड-प्रेत कल्प : 38.99) में आता है कि 'तुलसी का पौधा लगाने, पालन करने, सींचने तथा ध्यान, स्पर्श और गुणगान करने से मनुष्यों के पूर्व जन्मार्जित पाप जल कर विनष्ट हो जाते हैं।'

'मृत्यु के समय जो तुलसी-पत्ते सहित जल का पान करता है वह संपूर्ण पापों से मुक्त होकर विष्णु लोक में जाता है।' (ब्रह्मवैवर्त पुराण, प्रकृति खंड : 21.43)

'जो दरिद्रय मिटाना व सुख-संपदा पाना चाहता है उसे शुद्ध भाव व भक्ति से तुलसी के पौधे की 108 परिक्रमा करनी चाहिए।'

ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाने से बरकत होती है।

बुधवार को व्रत रखने से मिलता है फल

सनातन धर्म में सप्ताह के सारे दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित हैं। जिस तरह से सोमवार का दिन भगवान शिवजी का और मंगलवार का दिन हनुमान जी का है। उसी तरह से बुधवार को भगवान गणेश की पूजा की जाती है और उनके लिए व्रत रखा जाता है। ज्योतिषियों के मुताबिक व्रत रखने से भगवान खुश होते हैं। आज हम आपके लिए लाए हैं बुधवार के व्रत की कथा। व्रत रखने वाले लोगों को इस दिन यह कथा सुननी होती है।

प्राचीन काल की बात है एक व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल गया। कुछ दिन अपने ससुराल में रुकने के बाद व्यक्ति ने अपने सास-ससुर से अपनी पत्नी को विदा करने को कहा लेकिन सास-ससुर ने कहा कि आज बुधवार है और इस दिन हम गमन नहीं करते हैं लेकिन व्यक्ति ने उनकी बात को मानने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार लड़की के माता-पिता को अपने दामाद की बात माननी पड़ी और अपनी बेटी को साथ भेज दिया। रास्ते में जंगल था, जहां उसकी पत्नी को प्यास लग गई। पति ने अपना रथ रोका और जंगल से पानी लाने के लिए चला गया। थोड़ी देर बाद जब वो वापस अपनी पत्नी के पास लौटा तो देखकर हैरान हो गया कि बिल्कुल उसी के जैसा व्यक्ति उसकी पत्नी के पास रथ में बैठा था।

ये देखकर उसे गुस्सा आ गया और कहा कि कौन है तू और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठा है। लेकिन दूसरे व्यक्ति को जवाब सुनकर वो हैरान रह गया। व्यक्ति ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के पास बैठा हूं। मैं इसे अभी अपने ससुराल से लेकर आया हूं। अब दोनों व्यक्ति झगड़ा करने लगे। इस झगड़े को देखकर राज्य के सिपाहियों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

यह सब देखकर व्यक्ति बहुत निराश हुआ और कहा कि हे भगवान, ये कैसा इंसाफ है, जो सच्चा है वो झूठा बन गया है और जो झूठा है वो सच्चा बन गया है। ये कहते है कि फिर इसके बाद आकाशवाणी हुई कि 'हे मूर्ख आज बुधवार है और इस दिन गमन नहीं करते हैं। तूने किसी की बात नहीं मानी और इस दिन पत्नी को ले आया।' ये बात सुनकर उसे समझ में आया की उसने गलती कर दी। इसके बाद उसने बुधदेव से प्रार्थना की कि उसे क्षमा कर दे। इसके बाद दोनों पति-पत्नि नियमानुसार भगवान बुध की पूजा करने लग गए। ज्योतिषियों के मुताबिक जो व्यक्ति इस कथा को याद रखता उसे बुधवार को किसी यात्रा का दोष नहीं लगता है और उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। बुधवार के दिन अगर कोई व्यक्ति किसी नए काम की शुरुआत करता है तो उसे भी शुभ माना जाता है।

डिलीवरी के बाद का समय हर महिला के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इस दौरान शरीर को रिकवरी और ताकत की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इस समय खुद का खास ख्याल रखना चाहिए।

बच्चे के साथ अपनी सेहत का भी रखें ख्याल!

डिलीवरी के बाद शुरुआती 6 हफ्तों में शरीर को मजबूत बनाएंगे ये नुस्खे

एक नन्हे मेहमान के घर आने की खुशी जितनी बड़ी होती है उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी नई मां के स्वास्थ्य की भी होती है। डिलीवरी के बाद के शुरुआती 6 हफ्तों यानी करीब 42 दिनों को सूतिका काल कहा गया है। यह वह समय है जब महिला का शरीर अपने दूसरे जन्म की प्रक्रिया से गुजर रहा होता है। जानकारों का मानना है कि इस अवधि में की गई मामूली सी लापरवाही भी महिला को भविष्य में पुरानी बीमारियों और शारीरिक कमजोरी का शिकार बना सकती है।

क्यों नाजुक हैं ये 6 हफ्ते

प्रसव के दौरान महिला के शरीर से भारी मात्रा में ऊर्जा और रक्त की हानि होती है। इस समय शरीर में वात दोष काफी बढ़ जाता है जो जोड़ों में दर्द, थकान, पाचन की कमजोरी और मानसिक बेचैनी का मुख्य कारण बनता है। यह 6 हफ्ते वह रिकवरी विंडो हैं जिसमें गर्भाशय अपने पुराने आकार में लौटता है और शरीर के अंग दोबारा अपनी जगह व्यवस्थित होते हैं।

मालिश और सिकाई

सूतिका काल में आयुर्वेदिक तेलों से मालिश को अनिवार्य माना गया है। गुनगुने तेल की मालिश न केवल रक्त संचार को बेहतर करती है बल्कि बढ़े हुए वात को भी शांत करती है। यह मांसपेशियों के दर्द को दूर करने और तनाव कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। मालिश के बाद हल्की सिकाई गर्भाशय की सफाई और रिकवरी में तेजी लाती है।

कैसा होना चाहिए आहार

इस दौरान मां का पाचन तंत्र बेहद कमजोर होता है इसलिए आहार का चयन बहुत सोच-समझकर करना चाहिए।

दलिया, मूंग दाल की खिचड़ी और ताजी सब्जियों का सूप सबसे बेहतर है।

जीरा, अजवाइन, सोंठ और हल्दी का सीमित मात्रा में उपयोग पाचन सुधारने और गर्भाशय के संकुचन में मदद करता है।

डिलीवरी के बाद कम से कम 40 दिनों तक ठंडा पानी, बासी खाना, अधिक मिर्च-मसाले और गैस बनाने वाली चीजों से पूरी तरह परहेज करना चाहिए।

स्तनपान और मानसिक स्वास्थ्य

नवजात शिशु के लिए मां का पहला गाढ़ा दूध अमृत के समान है। यह न केवल बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है बल्कि मां और बच्चे के बीच एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। आयुर्वेद यह भी सलाह देता है कि इस दौरान मां को मानसिक तनाव और शोर-शराबे से दूर रहना चाहिए क्योंकि मां की मानसिक स्थिति का सीधा असर दूध की गुणवत्ता और बच्चे के स्वभाव पर पड़ता है।

संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता सर्वोपरि है। नीम के पानी से स्नान और हर्बल धुएं का उपयोग आयुर्वेद में वातावरण और शरीर को शुद्ध करने के लिए बताया गया है। यदि परिवार का सहयोग और सही आयुर्वेदिक नियमों का पालन मिले तो मां बहुत जल्दी अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस पा सकती है।

भागदौड़ भरी जिंदगी में दिन भर की थकान और पेट की जलन आम समस्या बन गई है। ऐसे में छाछ में कुछ खास चीजें मिलाकर पीना न सिर्फ पाचन को बेहतर बनाता है बल्कि शरीर को ठंडक देता है।

दिन भर की थकान और पेट की जलन मिनटों में होगी छूमंतर! बस छाछ में मिलाकर पिएं ये चीजें

गर्मी ने लोगों का बुरा हाल करना शुरू कर दिया है। जैसे ही पारा चढ़ने लगता है अक्सर फ्रिज में रखी ठंडी चीजें जैसे पैक्ड जूस या कोल्ड ड्रिंक हमारी पहली पसंद होती है। लेकिन ये चीजें प्यास बुझाने की जगह शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में गर्मियों के मौसम में छाछ किसी वरदान से कम नहीं है। यह सबसे हेल्दी ड्रिंक है।

गर्मियों में छाछ किसी औषधि से कम नहीं है। दही को मथकर तैयार किया गया यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट रखता है और पाचन भी दुरुस्त करता है। इसमें विटामिन-बी2, कैल्शियम और पोटैशियम जैसे पोषक तत्वों पाए जाते हैं।

गर्मी का सुपरफूड

आयुर्वेद के अनुसार छाछ पाचन की अग्नि को संतुलित करने में मदद करता है। दोपहर के भोजन के बाद एक गिलास छाछ पीना आपकी आंतों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

इसमें मौजूद गुड बैक्टीरिया आंतों के स्वास्थ्य को सुधारते हैं।

मसालेदार भोजन के बाद होने वाली सीने की जलन और भारीपन को यह तुरंत शांत करता है।

नियमित सेवन से पेट साफ रहता है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है।

त्वचा और हड्डियों के लिए फायदेमंद

प्राकृतिक पेय पदार्थों का चुनाव शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। छाछ का सेवन न केवल आपको अंदर से ठंडा रखता है बल्कि इसके पोषक तत्व चेहरे पर प्राकृतिक निखार लाते हैं और कील-मुंहासों की समस्या को कम करते हैं। कैल्शियम से भरपूर होने के कारण यह हड्डियों की मजबूती के लिए भी अनिवार्य है।

भुना हुआ जीरा और काला नमक

जीरा पाचन को तेज करता है और काला नमक पेट की गैस को तुरंत खत्म करता है। यह कॉम्बिनेशन लू से बचाने में भी कारगर है।

पुदीने की पत्तियां

पुदीना प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है। छाछ में पुदीने का पेस्ट मिलाकर पीने से दिमाग और शरीर दोनों को इंस्टेंट कूलिंग मिलती है।

पिसी हुई मिश्री और सौंफ

यदि आपको बहुत ज्यादा एसिडिटी या सीने में जलन रहती है तो छाछ में थोड़ी मिश्री और सौंफ का पाउडर मिलाएं। यह पेट की आग को शांत करने का सबसे सटीक तरीका है।

घर पर कैसे बनाएं मसाला छाछ

बाजार की छाछ के बजाय घर पर बनी ताजी छाछ ज्यादा प्रभावी होती है। इसे बनाना बेहद आसान है।

ताजी दही को अच्छी तरह फेंट लें और उसमें आवश्यकतानुसार ठंडा पानी मिलाएं। इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, स्वादानुसार सेंधा नमक और थोड़ी सी काली मिर्च डालें। स्वाद और ठंडक बढ़ाने के लिए बारीक कटा हुआ ताजा पुदीना मिलाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए छाछ एक बेहतरीन लो-कैलोरी विकल्प है। यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है जिससे आप बेवजह की ओवरईटिंग से बच जाते हैं। दिन भर में एक या दो गिलास छाछ का सेवन आपको गर्मी के मौसम में ऊर्जावान और बीमारियों से मुक्त रख सकता है।

गर्मियों में आंखों की जलन ने कर दिया है बुरा हाल? अपनाएं सिर्फ यह एक नुस्खा; मिनटों में मिलेगा आराम

गर्मियों में मोबाइल-लैपटॉप के ज्यादा इस्तेमाल और लू से आंखों में होने वाली जलन, लालिमा और थकान अक्सर परेशान कर देती है। ऐसे में आंखों को आराम देने के लिए ठंडा कॉटन पैड रामबाण इलाज है।

गर्मियों में तेज धूप, उमस और गर्म हवाएं अक्सर हमारी आंखों पर बुरा प्रभाव डालती है। इसके अलावा आज के डिजिटल युग में लोगों को घंटों काम या पढ़ाई के सिलसिले में स्क्रीन के आगे बैठना पड़ता है। यही कारण है कि डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या काफी बढ़ गई है। इसमें आंखों में सूखापन, भारीपन और जलन महसूस होती है। अगर आप भी इस तरह की समस्या से परेशान हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है।

आज हम आपको गर्मियों में आंखों की देखभाल का एक ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं जो मिनटों में आराम दे सकता है। आंखों की देखभाल के लिए कोल्ड कॉटन पैड का इस्तेमाल सबसे आसान, सुरक्षित और असरदार घरेलू उपाय माना जाता है। यह आंखों की गर्मी को शांत करने और थकान मिटाने के लिए सबसे प्राकृतिक तरीके है। यह उपाय बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर किसी के लिए सुरक्षित है।

इस्तेमाल करने का तरीका

आंखों को तुरंत राहत देने के लिए आपको बस कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करने होंगे।

सबसे पहले अपने चेहरे को ताजे और साफ पानी से धो लें ताकि पसीना और धूल-मिट्टी साफ हो जाए।

दो साफ और नरम सूती पैड लें। इन्हें एक कटोरी ठंडे पानी में डुबोएं। ध्यान रहे कि पानी ठंडा हो लेकिन बर्फ जैसा जमा देने वाला न हो।

पैड को हल्का सा निचोड़ लें ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। अब शांति से लेट जाएं और अपनी आंखें बंद करके इन पैड्स को पलकों पर रख लें।

कम से कम 10 से 15 मिनट तक इसी अवस्था में रहें। इस दौरान गहरी सांस लें और अपनी आंखों को पूरी तरह आराम दें।

क्यों मिलता है इससे आराम

ठंडक आंखों के आसपास की रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ती है जिससे सूजन कम होती है और मांसपेशियों को तुरंत रिलैक्सेशन मिलता है। यदि आप पानी में 2-3 बूंदें गुलाब जल मिला लेते हैं तो यह आंखों की चमक बढ़ाने और ताजगी देने में मदद करता है।

कब करें इस्तेमाल

ऑफिस या वर्क फ्रॉम होम के दौरान स्क्रीन पर लंबे समय तक काम करने के बाद।

धूप से बाहर लौटने पर जब आंखों में जलन महसूस हो।

रात को सोने से पहले ताकि आंखों की दिनभर की थकान दूर हो सके।

आयुर्वेद के अनुसार आंखों में गर्मी बढ़ने से जलन होती है। ठंडे पानी का सेक इस पित्त को शांत करता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आंखों में लगातार दर्द बना रहे, पानी आए या धुंधलापन महसूस हो तो घरेलू नुस्खों के भरोसे न रहें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। हमेशा साफ कॉटन का ही प्रयोग करें ताकि किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा न रहे।

जितना काम करूं उतना कम लगता है

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।

दीपिका ने 24 की उम्र में जॉइन की थी इंडस्ट्री

अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'। दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'। मोटिवेशन के लिए अपना पहला दिन याद कर लेती हूं

दीपिका ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'। दीपिका सिंह हाल ही में 'अनुपमा' फेम रुपाली गांगुली की बर्थडे पार्टी में शामिल हुईं। उन्होंने इसकी वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

आसान अभिनय काफी कर चुकी, अब खुद को बेहतर साबित करना है

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने बहुत कम समय में मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना ली है। बॉलीवुड में कदम रखने के बाद से ही पलक लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अब वह ऐसे रोल चुनना चाहती हैं जो उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर चुनौती दें और उनके अभिनय की असली क्षमता सामने लाएं। इस बीच पलक तिवारी ने इंटरव्यू में अपनी आने वाली ओटीटी सीरीज 'लुक्खे' को लेकर बात की और बताया कि आखिर इस प्रोजेक्ट ने उन्हें इतना प्रभावित क्यों किया। पलक तिवारी ने बताया कि उन्हें अब ऐसे किरदारों की तलाश है, जिनमें अभिनय की गहराई हो। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''मैं अब तक 'आसान अभिनय' काफी कर चुकी हूं। अब खुद को एक मजबूत कलाकार के तौर पर बेहतर साबित करना चाहती हूं। यही वजह है कि मैंने 'लुक्खे' जैसी गंभीर और भावनात्मक कहानी को चुना।'' पलक ने कहा, ''इस सीरीज के ऑडिशन के दौरान मुझे कहानी या अपने किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई थी। मुझे सिर्फ दो-तीन सीन्स पढ़ने के लिए दिए गए थे। लेकिन उन सीन्स को पढ़ते ही मैं इमोशनल हो गई। एक सीन ऐसा था, जिसे पढ़ते समय मेरी आंखों में आंसू आ गए। खास बात यह थी कि उस समय मुझे पूरी कहानी का कॉन्सेप्ट भी नहीं पता था, फिर भी मैं उससे गहराई से जुड़ गई।''

अभिनेत्री ने कहा, ''किसी कलाकार के लिए वो एहसास बेहद खास होता है, जब कोई कहानी सीधे दिल को छू जाए। कई बार कलाकार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से उससे जुड़ नहीं पाते। हालांकि, 'लुक्खे' की कहानी ने मुझे अंदर तक प्रभावित किया। उसी समय मैंने तय कर लिया था कि मुझे किसी भी तरह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना है।'' पलक ने कहा, ''जब कोई अभिनेता खुद कहानी की भावनाओं को महसूस करता है, तो अभिनय करना कहीं ज्यादा आसान हो जाता है। इस सीरीज ने मुझे कुछ नया और अलग करने का मौका दिया। इस तरह का गंभीर और भावनात्मक ड्रामा करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। मजबूत कहानी ही कलाकार को बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करती है।''

पलक तिवारी ने बॉलीवुड में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से शुरुआत की थी। अब पलक जल्द ही ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। उनकी नई सीरीज 'लुक्खे' में उनके साथ रैपर किंग, शिवांकित परिहार, लक्षवीर सिंह सरन और राशि खन्ना भी नजर आएंगे।

लुक्खे में दिखेगा राशी खन्ना का पुलिस अवतार

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' का ट्रेलर बुधवार को रिलीज कर दिया गया। यह ट्रेलर पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। 2 मिनट 28 सेकंड का ट्रेलर काफी जबरदस्त है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

उन्होंने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान सभी के साथ अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है और ईमानदारी से कहूं, तो मैंने इसके बारे में ज्यादा सोचा नहीं था। कहानी सुनते ही मैं इसके साथ जुड़ गया क्योंकि मुझे इसमें कुछ नया करने का मौका दिखा। मुझे सीरीज में काम करने के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला, तो अभी मैं एक स्टूडेंट हूं और बहुत कुछ सीख रहा हूं। मेरे लिए सबसे बड़ी तारीफ यही होगी कि लोग इसमें मेरी वास्तविकता को देखें। जब आप पहली बार कुछ नया करते हैं और लोग उसे सराहते हैं, तो वह बहुत हौसला देता है।' सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्निम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

'गुल्लक' फेम निर्देशक के साथ फिल्म करेंगे ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं।

ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। आईएएनएस संग बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।'

उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।''

रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।''

उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा, ''हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

खतरों के खिलाड़ी में नजर आएंगे गौरव खन्ना

अभिनेता गौरव खन्ना इन दिनों स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में गौरव ने अपनी जिंदगी के संघर्ष, मुंबई आने के सफर और बिना गॉडफादर के मुकाम हासिल करने पर खुलकर बात की। उन्होंने नए शो को लेकर परिवार के रिएक्शन, रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव और जिंदगी में जोखिम लेने की अपनी आदत पर भी चर्चा की।

'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने जा रहे हैं, फैंस को आपसे काफी उम्मीदें हैं?

बड़ा अच्छा लगता है जब दर्शक इतना भरोसा दिखाते हैं। पिछले रियलिटी शो (बिग बॉस) में लोगों ने मुझे मेरे असली रूप में देखा। अभी तक वे मुझे सिर्फ किरदारों से जानते थे, लेकिन अब वे असली गौरव (जीके) को जानते हैं। मेरी यही कोशिश रहेगी कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूं और उन्हें एंटरटेन करता रहूं।

इस शो में जीके (गौरव खन्ना) क्या खास करने वाले हैं?

जीके इस शो में स्टंट करेगा। जीके जिस भी शो में जाता है, वहां जो भी रिक्वायरमेंट होती है, वो जरूर पूरी करता है।

शो के लिए आपकी क्या तैयारी है?

मैं कभी कुछ सोचकर नहीं जाता। मैं खुद को उस परिस्थिति में डालता हूं और रिक्वायरमेंट के हिसाब से परफॉर्म करने की कोशिश करता हूं। मुझे स्टंट्स का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, मैं पहली बार यह सब कर रहा हूं।

शो का ऑफर आने पर घर वालों का कैसा रिएक्शन था?

मेरे माता-पिता कानपुर में रहते हैं और बहुत साधारण लोग हैं। जब मेरी मां को पता चला तो वे चिंतित हो गईं। उन्होंने कहा- 'तुम क्यों जा रहे हो? तुम्हें क्या जरूरत है, करियर तो अच्छा खासा चल रहा है।' उन्होंने ऐसा ही मास्टरशेफ और बिग बॉस के टाइम भी कहा था। मैंने उन्हें इस बार भी नहीं बताया था। सच कहूं तो शो का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने वाला मैं सबसे आखिरी इंसान था।

आपने शो करने का फैसला कैसे लिया?

मेरे पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि तुम्हें यह करना चाहिए। मुझे लगा कि एक-दो शो जीतने के बाद हम अक्सर अपने कंफर्ट जोन में चले जाते हैं। लेकिन मजा तो इसी में है कि खुद को परखा जाए। मैं कॉर्पोरेट लाइन से एक्टर बना और फिर रियलिटी शोज में आया। जब तक कुछ नया करने का जज्बा है, लाइफ में ग्रोथ होती रहेगी। पत्नी आंकाक्षा का रिएक्शन भी बिंदास था, उसने तुरंत कहा- 'करो!'

लाइफ में आपने अब तक का सबसे बड़ा जोखिम क्या लिया है?

अपने कंफर्ट जोन को छोड़ना। सबसे पहले अपने घर को छोड़कर इतने बड़े शहर (मुंबई) में आना, वह भी बिना किसी प्लान के। मुझे कोई इल्म नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगा। ना किसी को जानता था, ना कोई परिवार था, ना ही कोई गाइडेंस या गॉडफादर था। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि लाइफ में काफी रिस्क लिए हैं।

उस गौरव को क्या कहेंगे जो सालों पहले बिना किसी जुगाड़ के मुंबई आया था?

मैं उसे बस यही कहूंगा कि 'खुद पर विश्वास रख।' आज भी मुझे वही चीज काम आती है जो 20 साल पहले आई थी। अगर मैं उस समय अपने विश्वास से डगमगा जाता, तो शायद मैं इस लाइन में कभी नहीं आता और कॉर्पोरेट में ही रह जाता। मुझे लाइफ में रिग्रेट नहीं करना है, बस कुछ आउट ऑफ द बॉक्स करना है।

रोहित शेट्टी के साथ काम करने को लेकर क्या सोच रहे हैं?

मैं उनसे बिग बॉस के एक वीकेंड का वार में मिला था। उनकी वाइब एक बड़े भाई जैसी है, जो मजाक-मजाक में बड़ी बातें समझा देते हैं। उनकी गाइडेंस में स्टंट सीखना इस शो को करने की एक बड़ी वजह है। वाट तो लगेगी, ऐसा नहीं है कि मैं पत्थर का बना हूं और मुझे डर नहीं लगता। डर सबको लगता है, बस उसे ही ओवरकम करना है।

संक्षिप्त समाचार

बालेन सरकार ने भारतीय विदेश सचिव को भेजा नेपाल आने का न्योता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में नई बालेन्द्र शाह सरकार ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री

को काठमांडू आने का न्योता भेजा है। दिप्रिंट के मुताबिक अभी दोनों पक्ष तारीखें तय करने पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अभी तक कोई तारीख पक्की नहीं हुई है। इससे पहले नेपाली मीडिया में रिपोर्ट किया गया था कि भारतीय विदेश सचिव 11 मई को काठमांडू की यात्रा करने वाले हैं लेकिन उनकी यात्रा स्थगित हो गई है। इसके पीछे एक बड़ी संभावित वजह ये बताई गई थी कि शायद प्रधानमंत्री बालेन शाह ने विक्रम मिस्री से मुलाकात करने से मना कर दिया था और इसके बाद उनकी काठमांडू यात्रा स्थगित हो गई। बालेन शाह ने इससे पहले अमेरिकी सहायक विदेश सचिव समीर कपूर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोर से भी काठमांडू में मुलाकात नहीं की थी। लेकिन दिप्रिंट ने बताया है कि 'नेपाल की नई सरकार ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री को दौरे के लिए न्योता भेजा है। कोई भी मीटिंग टालने की जरूरत नहीं पड़ी है क्योंकि दौरे के लिए अभी तक कोई पक्की तारीख तय नहीं हुई है।' दिप्रिंट ने इस मामले से जुड़े दो लोगों से हुई बातचीत के आधार पर ये बताया है जिनमें से एक ने कहा कि 'कोई बैठक नहीं है जिसे स्थगित किया गया हो।' यानी दिप्रिंट को अधिकारियों ने यह साफ किया है कि जब कोई तारीख तय ही नहीं हुई थी तो बैठक स्थगित होने का सवाल ही नहीं उठता। इस मामले से जुड़े एक दूसरे व्यक्ति ने भी इस बात की पुष्टि की और बताया कि नई दिल्ली और काठमांडू के बीच संभावित तारीखों को लेकर बातचीत चल रही है। दूसरे व्यक्ति ने बताया कि काठमांडू ने कुछ 'अनुकूल' तारीखों का सुझाव दिया है और नई दिल्ली अभी भी उस प्रस्ताव पर विचार कर रही है। जबकि नेपाल से आई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि मिस्री 11 मई से काठमांडू के दो दिन के दौरे पर जा सकते हैं।

पाकिस्तान को सिंधु संधि पर यूएनएससी से कुछ नहीं मिलेगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय विवाद की शक्ल देने की कोशिश जारी है। पाकिस्तान सरकार अब इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ले गया है। भारत ने पहलगाम के आतंकी हमले के बाद उठाए गए कदमों के तहत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला लिया था। इसके बाद से पाकिस्तान इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान को इस कदम को कोई खास फायदा नहीं होगा। पूर्व आईएएस अधिकारी केबीएस सिद्धू ने सेवियर्स मैगजीन में अपने एक विश्लेषण में तर्क दिया गया है कि पाकिस्तान को सिंधु जल संधि के निलंबन का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उठाने से कोई खास फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने यह कदम किसी ठोस कानूनी नतीजे तक पहुंचने के बजाय अंतरराष्ट्रीय राय को प्रभावित करने के मकसद से उठाया है। सिद्धू ने 'पाकिस्तान का निलंबन का अंतरराष्ट्रीयकरण' शीर्षक वाले लेख में कहा है कि भारत के संधि को स्थगित करने के फैसले के बाद इस्लामाबाद का यह कदम एक द्विपक्षीय सुरक्षा और जल-संबंधी मुद्दे को एक वैश्विक मानवीय संकट के रूप में पेश करने की कोशिश है। को तुरंत कोई फायदा नहीं होने जा रहा है। सिद्धू ने तर्क दिया कि कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण भारत की ऊपरी-तटवर्ती राज्य के तौर पर स्थिति को नजरअंदाज कर देते हैं और दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को ठीक से संबोधित करने में नाकाम रहते हैं। वह उन तर्कों को खारिज करते हैं, जो भारत के कदमों को महज पाकिस्तान की कूटनीतिक चाल की प्रतिक्रिया के तौर पर पेश करते हैं।

जिहादी हमलों में 70 से ज्यादा लोगों की मौत, अल-कायदा से जुड़े जेएनआईएम संगठन ने ली जिम्मेदारी

माले, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों में मध्य माली में जिहादी हमलों की एक नई लहर में कम से कम 70 लोग मारे गए हैं। इन हमलों की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़े संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन ने ली है।

इन हमलों में शुक्रवार को हुए सुनियोजित हमले भी शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को गांवों पर भी हमले किए गए थे। बुधवार के हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए थे।

हालांकि, एक अन्य स्थानीय अधिकारी ने मरने वालों की संख्या इससे ज्यादा बताई है और अनुमान लगाया है कि लगभग 80 लोग मारे गए हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी के अनुसार, एक स्थानीय युवा नेता ने कहा, हमारा दिल खून के आंसू रो रहा है। उन्होंने पास में तैनात सेना की टुकड़ियों पर आरोप लगाया कि मदद के लिए बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उन्होंने कोई दखल नहीं दिया।

यह ताजा हिंसा इस सप्ताह की शुरुआत में हुए एक अन्य हमले के बाद हुई है, जिसमें हथियारबंद लड़ाकों ने केनीरोबा सेंट्रल जेल पर धावा बोल दिया था। यह जेल राजधानी बमाको से लगभग 60 किलोमीटर (37 मील) दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इस जेल में लगभग 2,500 कैदी बंद हैं। 25-26 अप्रैल से माली में लगातार हमलों का सिलसिला जारी है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अल-कायदा से जुड़े संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन ने तुआरेग-बहुल अजावाद लिबरेशन फ्रंट ने हाथ मिला लिया था। बुधवार को बामाको में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में माली की सेना के कमांडर जिब्रिला माइगा ने बताया कि अप्रैल में हुए हमलों के बाद लड़ाके फिर से एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। अप्रैल के इन हमलों में रक्षा मंत्री सादियो कामारा की मौत हो गई थी और माली के नेतृत्व का साथ दे रही रूसी सेना को उत्तरी क्षेत्र के अहम शहर किदाल से पीछे हटना पड़ा था। अल जजीरा के अनुसार, माइगा ने कहा, खतरा अभी भी बना हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि सेना इन लड़ाकों की गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार सक्रिय है। कि वह राजधानी बामाको की ओर जाने वाली सड़कों पर चौकियां बनाकर शहर की घेराबंदी करने की योजना बना रहा है।

अमेरिका-ईरान के बीच बहुत कठिन संघर्ष', पुतिन ने कहा- ईरान के परमाणु हथियार बनाने का कोई सबूत नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को 'बहुत कठिन संघर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ईरान और अमेरिका के बीच यह बहुत कठिन संघर्ष है। इससे हमारी स्थिति भी कठिन हो जाती है, क्योंकि हमारे ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। हम दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा। मेरा मानना है कि कोई भी इसे जारी रखना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने के आरोपों पर पुतिन ने कहा कि रूस ने 2015 में भी इस मामले में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ईरान में बुशेहर परमाणु संयंत्र जैसी परियोजना केवल शांतिपूर्ण ऊर्जा उद्देश्यों के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने 2015 में भी ऐसा किया था। उस समय ईरान ने हम पर भरोसा किया था और उसके पीछे ठोस कारण थे। हम आज भी ईरान में परमाणु कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। हमने बुशेहर संयंत्र का निर्माण पूरा किया। मौजूदा स्थिति से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर हमारा काम प्रभावित नहीं है। 2015 में यह सभी देशों और ईरान के बीच समझौते की नींव बना था और इसका बहुत सकारात्मक असर हुआ था। हम फिर से वही करने के लिए तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि रूस को कभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा, अगर सभी पक्ष सहमत हों, तो ईरान भरोसा कर सकता है कि वह अपनी परमाणु सामग्री एक मित्र देश को भेज सकता है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने बेटी को दिया जन्म

ईरान से मिली बधाई; मिनाब हमले का भी किया जिक्र

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट को उनकी बेटी के जन्म पर बधाई दी है, लेकिन साथ ही इस मौके का इस्तेमाल कर 28 फरवरी को मिनाब के एक स्कूल पर हुए हमले को लेकर अमेरिका की आलोचना भी की। इस हमले में 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें से कई बच्चे थे।

दरअसल, लेविट ने गुरुवार को अपनी बेटी विवियाना के साथ इं पर एक फोटो शेयर किया, यह उनका दूसरा बच्चा है; जिसका जन्म हाल ही में हुआ है। फोटो में लेविट अपनी नन्ही बेटी को अपनी गोद में लिए हुए नजर आ रही है। इसमें उन्होंने लिखा, 1 मई को, विवियाना, जिसे विवी भी कहते हैं, हमारे परिवार में शामिल हुई, और हमारा दिल तुरंत प्यार से भर गया। मालूम हो कि, 28 साल की लेविट अमेरिका के इतिहास की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, वह एकदम स्वस्थ है, और उसका बड़ा भाई खुशी-खुशी अपनी नई छोटी बहन के साथ जिंदगी में ढल रहा है। हम अपने इस खुशी भरे नए-नवेले माहौल के हर पल का आनंद ले रहे हैं।

ईरान ने लेविट को उनकी बेटी के जन्म पर बधाई दी, लेकिन साथ ही मिनाब स्कूल हमले को लेकर उनकी आलोचना भी की, यह कहते हुए कि उस हमले में मारे गए बच्चे भी उन्हीं की तरह बच्चे थे। आर्मेनिया में ईरानी दूतावास ने इं पर लिखा, आपको बधाई। बच्चे मासूम और प्यारे होते हैं। वे 168 बच्चे, जिन्हें आपके बॉस ने मिनाब के स्कूल में मार डाला, और

जिसे आपने सही ठहराया, वे भी तो बच्चे ही थे। जब आप अपनी बच्ची को चूमती हैं, तो उन बच्चों की मांओं के बारे में भी सोचिए।

अमेरिका नागरिकों को निशाना नहीं बनाता : लेविट

सरकारी प्रसारक आईआरआईबी और स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी को मिनाब में एक ईरानी प्राथमिक स्कूल पर हुए हमले में 73 लड़के और 47 लड़कियां मारी गईं। यह हमला उस दिन हुआ, जिस दिन अमेरिका और इजरायल ने पूरे ईरान में हमले किए थे। जवाबी कार्रवाई में, तेहरान ने इजरायल और खाड़ी देशों में ठिकानों पर हमले किए।

समाचार एजेंसी एएफपीकी रिपोर्ट के अनुसार, आईआरआईबी ने एक टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि 26 शिक्षक, 7 अभिभावक, एक स्कूल बस ड्राइवर और स्कूल के बगल में स्थित क्लिनिक का एक फर्मेसी टेक्नीशियन भी इस हमले में मारे गए। इससे पहले मार्च में, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने कहा था कि, अमेरिका नागरिकों को निशाना नहीं बनाता। लेविट ने आगे कहा था, हालांकि रक्षा विभाग अभी इस मामले की जांच कर रहा है, लेकिन ईरानी शासन नागरिकों और बच्चों को निशाना बनाता है, न कि अमेरिका। स सेना की जांच के शुरुआती नतीजों के मुताबिक, स की एक टोमाहॉक क्रूज मिसाइल निशाना चूकने की वजह से एक प्राइमरी स्कूल पर जा गिरी। यह बात द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताई थी। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शुरू में यह इशारा दिया था कि, इसके लिए शायद खुद ईरान ही जिम्मेदार हो सकता है, जबकि ईरान के पास टोमाहॉक मिसाइलें हैं ही नहीं। ट्रंप ने 7 मार्च को कहा था कि उनकी राय में, मिनाब हमले के लिए ईरान ही कसूरवार है; हालांकि उन्होंने इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

अमेरिका में एक पाकिस्तानी समेत 3 लोग गिरफ्तार

कनाडा तक करते थे हथियारों की तस्करी

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका से कनाडा में 89 हथियार की तस्करी के प्रयास में एक पाकिस्तानी नागरिक सहित तीन लोगों पर अमेरिका में आरोप तय किए गए हैं। इन बरामद हथियारों में से कम से कम 17 हथियार चोरी के बताए जा रहे हैं। दक्षिणी न्यूयॉर्क जिले के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अटॉर्नी कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह गिरफ्तारियां गुरुवार को स्टेट रूट 90 पर न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस द्वारा की गई एक वाहन चेकिंग के दौरान हुईं। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान वाहन में सवार लोगों के असंगत और गोलमोल जवाबों से पुलिस को शक हुआ, जिसके बाद वाहन की तलाशी ली गई। पिछली सीट के नीचे छिपाए गए कई अतिरिक्त हथियार भी शामिल थे। आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय कनाडाई नागरिक मलिक ब्रोमफील्ड, 25 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक फैजान अली और 22 वर्षीय कमाल सलमान के रूप में हुई है। तीनों को बाद में व्हाइट प्लेन्स में संघीय मजिस्ट्रेट जज के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि फैजान अली के पास किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर जारी किया गया एक एक्सपायर पाकिस्तानी राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट मौजूद था। आरोपियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें अमेरिका से हथियारों की तस्करी, हथियारों का बिना

लाइसेंस व्यापार, चोरी के हथियारों का अंतरराज्यीय परिवहन और आग्नेयास्त्रों को अवैध रूप से अपने पास रखना शामिल है। इसके अलावा, मलिक ब्रोमफील्ड पर एक विदेशी नागरिक द्वारा अवैध रूप से हथियार रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अभियोजकों के अनुसार, इन आरोपों के तहत 5 से 15 साल तक की अधिकतम वैधानिक जेल की सजा का प्रावधान है, हालांकि अंतिम सजा का निर्धारण अदालत द्वारा किया जाएगा। इन गिरफ्तारियों की आधिकारिक घोषणा अमेरिकी अटॉर्नी जे क्लेटन, एफबीआई के असिस्टेंट डायरेक्टर इन चार्ज जेम्स सी. बार्नकल जूनियर और एटीएफ के स्पेशल एजेंट इन चार्ज ब्रायन डिगिरोलामो ने की।

मामला अब अपने अंजाम पर पहुंच रहा है', पुतिन ने पहली बार दिए शांति के संकेत

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म होने को लेकर पहली बार शांति के संकेत दिए हैं। पुतिन ने ऐलान किया कि यूक्रेन युद्ध 'खत्म होने की ओर है।' ये अभी तक का उनका सबसे मजबूत संकेत है कि मॉस्को चार साल से ज्यादा समय तक चली भीषण लड़ाई के बाद अब बातचीत के जरिए समाधान तलाशने के संकेत दे रहा है। रूस की तरफ से पहली बार युद्ध खत्म होने को लेकर ऐसी बात कही गई है। मॉस्को में रूस के 'विजय दिवस' समारोह के दौरान पुतिन ने पत्रकारों से कहा 'मुझे लगता है कि यह मामला अब खत्म होने की ओर है।' इस समारोह में कड़ी सुरक्षा के बीच एक छोटे पैमाने की सैन्य परेड आयोजित की गई थी।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब रूस और यूक्रेन ने अमेरिका मध्यस्थता में तीन-दिवसीय संघर्ष-विराम शुरू किया है और युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार एक-एक हजार युद्ध बंदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई है। पुतिन के बयान ने तत्काल दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। उनके बयान से पता चलता है कि पर्दे के पीछे से युद्ध खत्म करने की तैयारियां चल रही हैं। पुतिन की इस टिप्पणी के बाद एक यूरोपीय राजनयिक ने निजी तौर पर कहा 'अब ऐसा लग रहा है कि मॉस्को यह संकेत देना चाहता है कि बातचीत का रास्ता अब बंद नहीं है। इस साल की 'विक्ट्री डे' परेड बाकी वर्षों के मुकाबले काफी अलग रही है। पहले रेड स्क्वायर पर होने वाली ये परेड रूस की शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक मानी जाती थी लेकिन इस बार ये परेड छोटा है। राजधानी मॉस्को की सड़कों से इस बार टैंक नहीं गुजरे हैं। इसके बजाय बड़ी-बड़ी स्क्रीनों पर आधुनिक मिसाइलें, ड्रोन और लड़ाकू विमान दिखाए गए हैं जबकि यूक्रेन में लड़ने वाले सैनिक क्रेमलिन की दीवारों के सामने मार्च कर रहे थे। परेड के दौरान पुतिन ने करीब आठ मिनट तक भाषण दिए और रूसी सैनिकों की तारीफ की। रूस के खिलाफ एक 'आक्रामक ताकत' का समर्थन करने का आरोप लगाया। उत्तर कोरियाई सैनिक जिनके बारे में कहा जाता है।

अमेरिका में डेनवर एयरपोर्ट पर सुरक्षा घेरा तोड़कर रनवे तक पहुंचा व्यक्ति, प्लेन की चपेट में आने से हुई मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जहां एयरपोर्ट की सुरक्षा घेरा तोड़कर (बाड़ कूदकर) रनवे पार कर रहे एक व्यक्ति की विमान से टकराने के कारण मौत हो गई।

यह टक्कर लॉस एंजिल्स जा रही फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट 4345 के उड़ान भरते समय हुई, टक्कर के तुरंत बाद विमान के केबिन में धुआं भर गया। पायलटों ने तत्परता दिखाते हुए टेक-ऑफ रद कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंचीं। उड़ान रद करने के बाद आपातकालीन स्लाइड के जरिए यात्रियों को सुरक्षित विमान से बाहर निकाला गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एयरपोर्ट प्रशासन ने मौके पर बाड़ की लाइन की जांच की और पाया कि वह सही-सलामत है, बताया जा रहा है कि मरने वाला एयरपोर्ट का कर्मचारी नहीं था। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वेबसाइट के अनुसार, फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट 4345 स्थानीय समय के अनुसार, रात करीब 11ः19 बजे (शनिवार, ब्रिटेन के समयानुसार सुबह 6.19 बजे) उड़ान भर रही थी, तभी विमान की टक्कर एक पैदल यात्री से हो गई और यात्री की मौत हो गई। इस दौरान फ्लाइट के इंजन में आग भी लग गई। घटना के तुरंत बाद रनवे को बंद कर दिया गया। संभावना है कुछ घंटों बाद फिर से रनवे पर उड़ान शुरू किया जाए। घटना के समय विमान में 224 यात्रियों और चालक दल के 7 सदस्य सवार थे। जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल गया।

इनमें से 12 लोगों को मामूली चोटें आईं और उनमें से पांच को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। लॉस एंजिल्स जाने वाली इस फ्लाइट के यात्रियों को बस से एयरपोर्ट टर्मिनल तक ले जाया गया। इनमें से ज्यादातर यात्री दूसरी फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइ से रवाना हो चुके हैं।

हिटलर का देश बना यूरोप का सुपरपावर, सैन्य ताकत में फ्रांस से आगे निकला जर्मनी

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी ने अपनी सैन्य शक्ति में इजाफा किया है। फ्रांस और ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए जर्मनी अब यूरोप की सबसे बड़ी ताकत बन गया है। इससे यूरोप में शक्ति संतुलन पेचीदा होता दिख रहा है। जर्मनी की ताकत बढ़ने से एक ऐसा शक्ति संतुलन बदल सकता है, जो दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से लगातार बना हुआ है। खासतौर से जर्मनी के फ्रांस से आगे निकलने को एक्सपर्ट एक बड़ा घटनाक्रम मान रहे हैं। यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक, यूरोप के शक्ति संतुलन में जर्मनी और फ्रांस अहम हैं। दोनों देश 150 सालों तक लड़ते रहे लेकिन दूसरे विश्व युद्ध यानी 1945 के बाद दुश्मनी गहरी दोस्ती में बदल गई। 1945 के बाद यूरोप की सुरक्षा एक समझ पर टिकी थी। इसमें जर्मनी को आर्थिक ताकत बढ़ानी थी। वहीं फ्रांस और ब्रिटेन को परमाणु हथियारों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के जरिए सैन्य स्थिरता बनानी थी।

जर्मनी ने हालिया वर्षों में अपने रक्षा खर्च में भारी बढ़ोतरी की है। जर्मनी ने यूरोप की सबसे बड़ी और बेहतरीन सेना बनाने पर काम किया और इसमें कामयाब हुआ है। फ्रांसीसी प्रेसिडेंट इमानुएल मैक्रों और फ्रांसीसी अधिकारियों को डर है जर्मनी के रक्षा क्षेत्र के पुनरुद्धार से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता सीमित हो सकती है और बाहरी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता बढ़ सकती है। जर्मनी फिलहाल अपने यूरोपीय साझेदारों की तुलना में पहले से ही कहीं अधिक खर्च कर रहा है। वह उस लक्ष्य को हासिल करने में उनसे आगे निकल गया है, जिस पर सभी नाटो देशों ने पिछले साल अपने शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। यह

लक्ष्य 2035 तक राष्ट्रीय आय के 3.5 प्रतिशत के बराबर राशि मुख्य सैन्य आवश्यकताओं के वित्तपोषण पर खर्च करने का था।

वॉशिंगटन स्थित एक शोध संगठन अटलांटिक काउंसिल के अनुसार, जर्मनी के इस वर्ष करीब 127 अरब डॉलर खर्च करने उम्मीद है, जो यूरोप में अब तक का सबसे अधिक खर्च होगा। वहीं ब्रिटेन 84 अरब डॉलर और फ्रांस तरीबन 70 अरब डॉलर खर्च करेगा। जर्मनी और यूरोप में उसके नाटो साझेदारों के बीच यह अंतर भविष्य में और बढ़ता जाएगा। जर्मनी के पास खर्च करने के लिए ज्यादा रकम होने की वजह से उसका खरीद बजट यूरोपीय हथियार बाजार का स्वरूप बदल देगा। जर्मनी को अपनी मजबूत भूमिका ध्यान से लेकिन पक्के तौर पर निभानी होगी। साथ ही अपने यूरोपियन पड़ोसियों को भरोसा देना होगा। स्ट्रेटेजिक एक्सपर्ट्स के बीच इस पर आम सहमति है कि जर्मनी के फिर से हथियारबंद होने पर बहस से संतुलन को बढ़ावा मिलना चाहिए। न्यूयॉर्क में मौजूद काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस की सीनियर फेलो लियाना फिक्स अपनी 2026 की किताब 'जर्मनी रीआर्म्ड' में कहती हैं कि यूरोपियन सिक्योरिटी के लिए जर्मनी का तेजी से फिर से हथियारबंद होना जरूरी है लेकिन इससे यूरोपियन स्टेबिलिटी, पावर इम्बैलेंस और संभावित पॉलिटिकल गलत इस्तेमाल के बारे में बड़े रिस्क पैदा होते हैं। लियाना कहती हैं कि यूरोप में जरूरी मिलिट्री ग्रोथ के लिए ईयू में मजबूत इंटीग्रेशन की जरूरत है।

आईपीएल में लगातार हार से परेशान पंजाब किंग्स के सामने दिल्ली की चुनौती

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के अहम मुकाबले में पंजाब किंग्स सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी। प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंजाब किंग्स की टीम लगातार तीन हार के बाद दबाव में है और अब वह घरेलू मैदान पर वापसी की कोशिश करेगी। धर्मशाला में टीम अपने घरेलू चरण के आखिरी तीन मुकाबले खेलेगी।

खराब फॉर्म से जूझ रही पंजाब - सीजन की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स कुछ समय पहले तक टूर्नामेंट की इकलौती अजेय टीम थी, लेकिन अब टीम की लय पूरी तरह बिगड़ती नजर आ रही है। हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में टीम की फील्डिंग बेहद खराब रही थी। खासकर कैच छोड़ने की वजह से टीम को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा अर्शदीप सिंह की अगुआई वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण भी लगातार रन लुटा रहा है। बल्लेबाजी में प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत के बाद निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रही है।

प्लेऑफ के लिए दो जीत जरूरी

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब भी कम से कम दो जीत की जरूरत है। ऐसे में टीम चाहेगी कि खिलाड़ी वही आक्रामक क्रिकेट खेलें, जिसने उन्हें सीजन के शुरुआती चरण में सफलता दिलाई थी। टी20 क्रिकेट में लय बेहद अहम होती है और पंजाब की कोशिश जल्द से जल्द जीत की राह पर लौटने की होगी।

- **दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदें लगभग खत्म** - दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन इस सीजन निराशाजनक रहा है। टीम अपने पिछले छह मुकाबलों में से पांच हार चुकी है और अंक तालिका में निचले हिस्से में मौजूद है। हालांकि आंकड़ों के लिहाज से दिल्ली अब भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है, लेकिन उसके आगे बढ़ने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। टीम के बल्लेबाज धीमी और टर्न लेने वाली पिचों पर संघर्ष करते नजर आए हैं। वहीं स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी इस सीजन अब तक अपनी छाप छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं।
- **दोनों टीमों की फील्डिंग बनी चिंता** - दिल्ली कैपिटल्स की तरह पंजाब किंग्स भी खराब फील्डिंग से परेशान है। दोनों टीमों ने इस सीजन कई आसान मौके गंवाए हैं, जिसका असर सीधे मैच के नतीजों पर पड़ा है। ऐसे में धर्मशाला में होने वाले मुकाबले में छोटी-छोटी गलतियां मैच का रुख तय कर सकती हैं।

पंजाब किंग्स संभावित टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स संभावित टीम

अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी शॉ, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर और टी नटराजन।

तीरंदाजी विश्व कप 2026

भारतीय महिला टीम का कमाल, 2021 के बाद जीता पहला स्वर्ण पदक

शंघाई (एजेंसी)। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने तीरंदाजी विश्व कप 2026 के दूसरे चरण में इतिहास रच दिया. दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और कुमकुम मोहोद की भारतीय टीम ने मेजबान चीन को शूट-ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक अंतिम

मुकाबले में भारत ने पहला सेट जीता, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया. निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण मैच का नतीजा शूट-ऑफ में निकला। भारतीय टीम ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की. अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम 'शूट-ऑफ' तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टूर्नामेंट में भारत का दूसरा पदक

यह टूर्नामेंट में भारत का दूसरा पदक है. इससे पहले, विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने शनिवार को पुरुषों के कंपाउंड इवेंट में कांस्य पदक जीता था. कांस्य पदक के मैच में उन्होंने डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराया। अपने अभियान के दौरान, साहिल रैंकिंग राउंड में आठवें स्थान पर रहे और फिर क्वार्टरफाइनल में निको वीनर (ऑस्ट्रिया) को हराया, जिसके बाद सेमीफाइनल में उन्हें निकोलस गिरार्ड (फ्रांस) से हार का सामना करना पड़ा।

एक और पदक की उम्मीद

भारत एक और पदक की दौड़ में बना हुआ है. सिमरनजीत कौर दिन में बाद में सेमीफाइनल में उतरेंगी और विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत होगी।

आईपीएल 2026

लगातार मैचों ने बिगाड़ा राजस्थान रॉयल्स का खेल? हार के बाद गेंदबाजी कोच का बड़ा खुलासा

प्लेऑफ की राह हुई मुश्किल

राजस्थान रॉयल्स की यह हार उनके प्लेऑफ समीकरण को और कठिन बना सकती है। टीम को अब अगले मुकाबलों में जीत दर्ज करनी बेहद जरूरी होगी। शेन बॉन्ड ने माना कि नेट रनरेट और बाकी समीकरणों को देखते हुए टीम के पास अब ज्यादा गलती की गुंजाइश नहीं बची है।

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स को एक और बड़ी हार का सामना करना पड़ा। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने राजस्थान को 77 रन से हराया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनने का फैसला राजस्थान के लिए उल्टा साबित हुआ। शुभमन गिल ने 44 गेंदों पर 84 रन और साई सुदर्शन ने 36 गेंदों पर 55 रन की शानदार पारी खेलकर गुजरात को 20 ओवर में 229/4 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

वैभव की तूफानी शुरुआत भी नहीं आई काम - 230 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स को युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने तेज शुरुआत दिलाई। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 16 गेंदों में 36 रन ठोक दिए, जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल रहे। हालांकि, उनके आउट होते ही राजस्थान की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। राशिद खान ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4/33 के आंकड़े दर्ज किए और पूरी टीम 152 रन पर सिमट गई।

हार के बाद शेन बॉन्ड ने शेड्यूल को ठहराया जिम्मेदार - राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने हार के बाद टीम के व्यस्त शेड्यूल को बड़ी वजह बताया। बॉन्ड ने कहा कि लगातार हर तीन दिन में मैच खेलने से खिलाड़ी पूरी तरह थक चुके थे। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए बेहद निराशाजनक प्रदर्शन था। दोनों टीमों के पास बराबर अंक थे और यह मुकाबला बहुत अहम था। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब हमें अपने बाकी मैच जीतने होंगे।' बॉन्ड ने आगे कहा, 'हमने लगातार हर तीन दिन में पांच मुकाबले खेले। उसके बाद खिलाड़ी काफी थके हुए थे। टीम पहले जैसी धार नहीं दिखा पा रही थी।'

वैभव सूर्यवंशी ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड - हार के बावजूद वैभव सूर्यवंशी ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह आईपीएल इतिहास में एक सीजन के पावरप्ले में 30 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम था, जिन्होंने आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पावरप्ले में 29 छक्के लगाए थे।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने परिवार के साथ माता वैष्णो देवी मंदिर के किए दर्शन

कटरा (जम्मू कश्मीर)(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने परिवार के साथ शनिवार 9 मई को कटरा पहुंचे, ताकि वे श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में दर्शन कर सकें और आशीर्वाद ले सकें. शहर पहुंचने के बाद वे विशेष पूजा-अर्चना के लिए हेलीकॉप्टर से गुफा मंदिर तक भी गए। गंभीर फिलहाल सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच के तौर पर अपने आधिकारिक काम से दूर हैं, क्योंकि खिलाड़ी अभी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने में व्यस्त हैं। कटरा पहुंचने पर, गंभीर का स्वागत श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों ने किया और उन्हें हेलीपैड तक ले जाया गया, जहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा सांझीछत पहुंचे. इसके बाद वे पैदल चलकर गुफा मंदिर तक गए और वहां पूजा-अर्चना की।

यह मंदिर कटरा की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित हिंदुओं का एक अत्यंत पवित्र तीर्थस्थल है, जहां हर साल लगभग एक करोड़ श्रद्धालु दर्शन करने और पूजा-अर्चना करने आते हैं।

गंभीर की कोचिंग टीम इंडिया की सफलता - गंभीर की कोचिंग में ही भारतीय क्रिकेट टीम ने 2026 का आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता था। 'मेन इन ब्लू' (भारतीय टीम) ने अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और लगातार दो टी20 विश्व कप खिताब अपने नाम किए. टी20 विश्व कप 2026 की इस जीत के साथ ही भारत ऐसा पहला देश बन गया, जिसने अपने ही देश में खेलते हुए विश्व कप ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव किया हो

गंभीर का अगला असाइनमेंट

हेड कोच के तौर पर गंभीर का अगला असाइनमेंट जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जाने वाली एक 'ऑल-फॉर्मेट' घरेलू सीरीज होगी. इस सीरीज में भारत अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वी की मेजबानी करेगा, जिसके तहत दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट मैच और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे. इसके बाद, जुलाई में इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित दौरे पर जाने से पहले, भारतीय टीम बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। इंग्लैंड दौरे पर भारत, 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा और उसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इंग्लैंड दौरे के बाद, भारत जिम्बाब्वे का दौरा करेगा, जहां दोनों टीमों के बीच तीन टी 20 मैच खेले जाएंगे. इसके बाद, सितंबर-अक्टूबर में भारत वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जिसके तहत दोनों टीमों के बीच एक 'मल्टी-फॉर्मेट' सीरीज खेली जाएगी. इस सीरीज में भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे और पांच T20 मैच खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया ने महिला नेशनल कैंप का किया ऐलान

ऑस्ट्रेलिया दौरे और वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने रविवार को सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप की घोषणा कर दी। यह शिविर 11 मई से 20 मई तक आयोजित किया जाएगा। आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों को देखते हुए इस कैंप को बेहद अहम माना जा रहा है। भारतीय महिला टीम इस कैंप के बाद एफआईएच नेशंस कप से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। एफआईएच नेशंस कप का आयोजन 15 से 21 जून तक ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में होना है।

वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स पर नजर - यह कैंप सिर्फ नेशंस कप ही नहीं बल्कि साल के अंत में होने वाले बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय टीम को अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में हिस्सा लेना है। इसके अलावा सितंबर-अक्टूबर में जापान में आयोजित होने वाले 2026 एशियन गेम्स भी टीम के लिए बड़ी चुनौती होंगे।

प्रो लीग और ओलंपिक क्वालिफिकेशन का मौका - एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए सीधा क्वालिफिकेशन मिलेगा। वहीं, प्रो लीग जीतने वाली टीम लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करेगी। ऐसे में भारतीय टीम के लिए आने वाले महीने बेहद अहम रहने वाले हैं।

वही 31 खिलाड़ी कैंप का हिस्सा - आगामी कैंप में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल में मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। टीम मैनेजमेंट इस कैंप में खिलाड़ियों की फिटनेस, टीम कॉम्बिनेशन और टैक्टिकल सुधार पर विशेष ध्यान देगा।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने क्या कहा - मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कैंप को लेकर कहा, 'यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य फोकस फिटनेस और खेल के उन क्षेत्रों पर रहेगा, जहां सुधार की जरूरत है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं।'

गोलकीपिंग और डिफेंस में अनुभव का दम

गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम शामिल हैं। वहीं डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी खिलाड़ी टीम को मजबूती देंगी।

मिडफील्ड और अटैक में युवा-जुनून का मिश्रण

कप्तान सलीमा टेटे मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके साथ सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका भी नजर आएंगी। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी खिलाड़ी शामिल हैं।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास, एलएलएस में सबसे तेज 100 गोल करने वाला खिलाड़ी बने

टोरंटो (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी ने मेजर लीग सॉकर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मेसी ने टोरंटो एफसी के खिलाफ इंटर मियामी की 4-2 की जीत में एक गोल और दो असिस्ट कर एमएलएस इतिहास में सबसे तेज 100 गोल योगदान देने वाले खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बना दिया।

सिर्फ 64 मैचों में बनाया रिकॉर्ड - मेसी ने यह उपलब्धि सिर्फ 64 मैचों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड सेबेस्टियन जियोविंको के नाम था, जिन्होंने 95 मैचों में 100 गोल योगदान पूरे किए थे। एमएलएस में 2023 में आने के बाद से मेसी अब तक 59 गोल और 41 असिस्ट कर चुके हैं।

क्लब के लिए ऐतिहासिक खिलाड़ी बने मेसी - यह मुकाबला इंटर मियामी के लिए मेसी का 100वां मैच भी था। वह क्लब के इतिहास में 100 मैच खेलने वाले सिर्फ आठवें खिलाड़ी बने। मेसी के आने के बाद इंटर मियामी ने सफलता का नया दौर देखा है। उनकी कप्तानी में क्लब ने 2023 लीग्स कप, 2024 एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड, 2025 ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब और 2025 एमएलएस कप जैसे बड़े खिताब जीते।

इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम (एजेंसी)। इटेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2-6, 6-3, 7-5 से हार गईं।

सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार-बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण 'ब्रेक' हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार 'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया।

निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी।

आरसीबी पर जीत के बाद बोले एडेन मार्करम | एलएसजी के ड्रेसिंग रूम का मनोबल सच में बढ़ा है

चेन्नई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज एडेन मार्करम ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 9 रन की जीत के बाद टीम का मनोबल सही समय पर बढ़ा है। उन्होंने आगे कहा कि रविवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक और जीत के साथ इस लय को बनाए रखने की उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं।

मार्करम ने कहा, 'सब कुछ ठीक चल रहा है। हम बस आगे बढ़ रहे हैं; आखिरकार आपको वह लय और रूटीन मिल ही जाता है। पिछली शाम मिली जीत बहुत अच्छी रही - इसने ड्रेसिंग रूम में मनोबल को सच में बढ़ाया है। उम्मीद है कि आज हम एक और मजबूत प्रदर्शन के साथ इस लय को बनाए रख पाएंगे।' ञ्20ढ्ढ में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करने वाले मार्करम ने अलग-अलग पोजिशन पर बल्लेबाजी करने की जरूरतों पर जोर दिया क्योंकि वह इस चल रहे सीजन में सबसे नीचे पायदान पर मौजूद एलएसजी के लिए ओपनिंग और मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी के बीच अदला-बदली करते रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह आपकी खास भूमिका पर निर्भर करता है। मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा रन बनाना और मिडिल ऑर्डर में अपनी पोजिशन को समझना है। इस फॉर्मेट में जरूरतें हर गेंद या हर ओवर के साथ बदल सकती हैं और आपको इस बात का ध्यान रखना होता है। अगर आप मिडिल ऑर्डर में हैं तो आपको काफी लचीला होना पड़ता है ताकि आप टीम के लिए अपना काम पूरा कर सकें। मुश्किल बात यह है कि जो शॉट्स टॉप ऑर्डर में काम करते हैं, वे अक्सर मिडिल ओवरों में आपको कैच आउट करवा सकते हैं। निजी तौर पर मैं अपनी पारी के आखिर में ज्यादा खाली जगह ढूंढने की कोशिश करता हूं और मिडिल ओवरों में गैप ढूंढने के अनोखे तरीके खोजता हूं।'

मार्करम ने सबसे छोटे फॉर्मेट में अलग-अलग पोजिशन पर बल्लेबाजी करते समय अपने दृष्टिकोण में लचीलेपन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हर किसी का दृष्टिकोण थोड़ा अलग होता है - कुछ खिलाड़ी क्रीज पर टिककर गैप ढूंढना पसंद करते हैं, तो कुछ अपने पैरों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। मेरे लिए यह खाली जगहों पर शॉट लगाने और तेजी से दौड़ने के बारे में है। मैंने हमेशा कहा है कि मैं किसी भी भूमिका में ढलने और जरूरत के हिसाब से कोई भी भूमिका निभाने में खुश हूं।